E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 46 | प्रयागराज, शुक्रवार 24 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान बोला- मौजूदा हालात में होर्मुज नहीं खुलेगा,अमेरिकी नाकेबंदी खत्म हो तभी सीजफायर,पाक में यूएस-ईरान की बातचीत संभव

वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने कहा है कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि सीजफायर के उल्लंघन के बीच यह संभव नहीं है। गालिबाफ ने आरोप लगाया कि अमेरिकी नाकेबंदी ईरानी बंदरगाहों को निशाना बना रही है और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब नाकेबंदी खत्म हो। दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बैठक होने की संभावना है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की मध्यस्थता के बाद दोनों देश जल्द बातचीत की टेबल पर लौट सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि यह बैठक जल्द होना संभव है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- तेल पर छूट बढ़ीः अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर लगी पाबंदियों में दी गई छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला करीब 10 देशों की मांग पर लिया गया है, जो तेल की कमी का सामना कर सकते हैं। ट्रम्प का एकतरफा सीजफायरः अमेरिका ने पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया गया। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ईरान का सीजफायर से इनकारः ईरान ने किसी भी तरह के सीजफायर से इनकार किया है। मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा कि सीजफायर तभी संभव है जब नाकाबंदी हटाई जाए। होर्मुज में जहाज जब्तः ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने होर्मुज स्ट्रेट में दो जहाजों को जब्त कर लिया और कहा कि इस रास्ते की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। इससे पहले इन पर गोलीबारी भी की गई। 20 हजार उड़ानें रद्दः यूरोप की सबसे बड़ी एयरलाइन लुफ्थांसा ने ईरान युद्ध के बाद बढ़ी ईंधन कीमतों के चलते 20 हजार उड़ानें रद्द करने का फैसला किया है। हैदराबाद स्थित ईरानी दूतावास ने एक एआई वीडियो साझा किया है, जिसमें ट्रम्प के उस फैसले पर तंज किया गया है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के अपील पर सीजफायर बढ़ाया था। दूतावास ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'युद्धविराम कैसे बढ़ाया गया? यह वीडियो ईरान में तेजी से फैल रहा है।' करीब 45 सेकंड के इस वीडियो में एआई से बने ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य लोगों को बातचीत की मेज पर ईरान के प्रतिनिधियों का इंतजार करते हुए दिखाया गया है।

'ईरान ने मेरे कहने से 8 महिलाओं की फांसी टाली'- ट्रंप,तेहरान ने नकारा

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि ईरान ने उनके अनुरोध पर जेल में बंद आठ महिलाओं की फांसी टाल दी है। ट्रंप ने कहा है कि ईरानी नेताओं ने जिस तरह से उनकी बात का सम्मान किया है, उसके लिए वह तारीफ के हकदार हैं। एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान सरकार से इन महिलाओं की रिहाई की मांग की थी। सभी महिलाओं को जनवरी में तेहरान हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया था। दूसरी ओर ईरानी सरकार के अधिकारियों ने कहा है कि महिलाओं को फांसी की सजा होने की बात गलत है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस मामले में ईरान के बारे में झूठी बातें फैला रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान से बहुत अच्छी खबर आई है। मुझे जानकारी मिली है कि ईरान में आज रात जिन आठ महिला प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जाने वाली थी, अब उन्हें मौत की सजा नहीं दी जाएगी। मैं इस बात की बहुत सराहना करता हूं कि ईरानी नेताओं ने अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर मेरे अनुरोध का सम्मान किया और इनकी फांसी को रोक दिया।ईरान ने पूरे मामले को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप महिलाओं की फांसी और उनको बचाने की कहानी बनाकर अपनी इज्जत बचाने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान की सरकारी मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति युद्ध के मैदान में खाली हाथ होने की वजह से झूठी खबरों के आधार पर मनगढ़ंत उपलब्धियां गढ़ रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर कई पोस्ट किए थे। इनमें आठ महिलाओं की तस्वीरें थी, जिनके बारे में दावा किया गया था कि इनको तेहरान में फांसी पर लटकाने की तैयारी है। ट्रंप ने अपील की थी कि इन्हें रिहा कर दिया जाए। इसक बाद उन्होंने इन महिलाओं की सजा में बदलाव का दावा किया है।डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जिन आठ युवतियों की तस्वीर साझा की हैं। उनमें बेता हेम्मती, गजल गलंदरी, गोलनाज नराघी, वीनस हुसैन नेजाद, पनाह मोवाहेदी, एसियेह नेजाती, महबूबेह शबानी और डायना ताहेर अबादी शामिल हैं। इन सभी को इस साल की शुरुआत में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया है। इन पर सरकार के खिलाफ साजिश रचने जैसे आरोप हैं।

असीम मुनीर पर नहीं रहा भरोसा तो पाकिस्तान ने चीन से साधा संपर्क, ईरान को मनाने के लिए 6 सूत्रीय खाका पेश किया

इस्लामाबाद। ईरानी अधिकारियों के नहीं आने के बाद इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ होने वाली दूसरे दौर की बैठक रद्द हो गई है। ईरान ने साफ कहा है कि जब तक अमेरिकी नौसेना होर्मुज ब्लॉकेड को नहीं हटाता है शांति वार्ता पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान के लिए ये बहुत बड़ा झटका है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप असीम मुनीर पर किसी भी तरह से ईरान को तैयार करवाने का प्रेशर बनाए हुए हैं। इससे नाराज ईरानी मीडिया ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ को 'पोस्टमैन' तक कहा है। इस बीच रिपोर्ट है कि पाकिस्तान ने ईरान को तैयार करने के लिए चीन को अपने साथ लिया है। सीएनएन न्यूज 18 ने शीर्ष राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच अपनी मध्यस्थता की कोशिशों को मजबूत करने के लिए चीन से संपर्क किया है। पाकिस्तान की तरफ से ऐसा तब किया गया है जब तेहरान में इस बात को लेकर शक बढ़ रहा है कि इस्लामाबाद एक भरोसेमंद गारंटर के तौर पर काम कर पाएगा या नहीं। ईरानी मीडिया में असीम मुनीर की जमकर आलोचना की गई है और कहा गया है कि वो 'सिर्फ अमेरिका की बातों को आगे रख रहे हैं।'सूत्रों के मुताबिक अभी एक छह-पॉइंट का 'सैद्धांतिक' फ्रेमवर्क विचाराधीन है। इसे ईरान की मुख्य मांगों को पूरा करने और लंबे समय तक चलने वाली गारंटी देने के लिए डिजाइन किया गया है जिससे रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करने में मदद मिल सके। न्यूज 18 ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि यह फ्रेमवर्क बीजिंग के साथ सलाह-मशविरा करके तैयार किया गया है और यह वॉशिंगटन और तेहरान के बीच नई बातचीत के लिए एक शुरुआती बिंदु का काम कर सकता है। पाकिस्तान ने चीन को शांति वार्ता में उस वक्त शामिल करने का फैसला किया है जब उसे पता चल गया है कि असीम मुनीर से ईरान को भरोस काफी कम हो गया है। ईरानी वार्ताकार अब सिर्फ इस्लामाबाद पर निर्भर रहने को लेकर हिचकिचा रहे हैं और उन्होंने ज्यादा मजबूत और लंबे समय तक चलने वाले भरोसे के लिए चीन की भागीदारी पर जोर दिया है। तेहरान ऐसी ठोस गारंटी चाहता है जो समय के साथ भी बनी रहे। एक शीर्ष राजनयिक सूत्र ने बताया कि चीन को यह गारंटी देने के लिए बेहतर स्थिति में माना जाता है। ईरान को पाकिस्तान से ज्यादा चीन पर भरोसा है। इसके अलावा चीन को शामिल करना एक रणनीतिक आवश्यकता के तौर पर भी देखा जा रहा है।

ट्रंप ने भारत को लेकर की बेहद घटिया टिप्पणी,लेटर में बताया 'नरक'

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता को लेकर दुनिया के कुछ देशों के साथ भारत का नाम लेते हुए बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने वाले एक लेटर को शेयर किया है। ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता पर एक लेटर शेयर किया है जिसमें भारत के लिए नरक शब्द का इस्तेमाल किया है। इसमें लिखा है 'यहां पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है और फिर वे चीन भारत या दुनिया के किसी अन्य 'नरक' से अपने पूरे परिवार को यहां ले आते हैं।' इस लेटर में लिखा गया है जन्मजात नागरिकता की तीखी आलोचना करते हुए भारत और चीन जैसे देशों को 'पत्प्दत' यानि नर्क या बेहद खराब जगह कहकर संबोधित किया गया है। इस लेटर में लिखा है '...यहां पैदा होते ही बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है और फिर वे चीन, भारत या दुनिया के किसी और 'नरक' जैसी जगह से अपने पूरे परिवार को यहां बुला लेते हैं। यह देखने के लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। अब यहां अंग्रेजी नहीं बोली जाती। आज जो प्रवासी वर्ग यहां आ रहा है उनमें इस देश के प्रति लगभग कोई निष्ठा नहीं है जो कि हमेशा से ऐसा नहीं था।' ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जो लेटर शेयर किया है उसमें आगे लिखा है 'नहीं, वे आज के यूरोपीय अमेरिकियों और उनके पूर्वजों जैसे नहीं हैं। आयरिश लोग घुल-मिल गए, इटैलियन लोग घुल-मिल गए, पोलिश लोग घुल-मिल गए... वे सभी घुल-मिल गए और उस 'मेल्टिंग पॉट' (विभिन्न संस्कृतियों के मेल) में अमेरिकन बन गए। 'मेल्टिंग पॉट' का वह दौर अब बहुत पहले ही खत्म हो चुका है। अब यह बस एक 'कैश-इन पॉट' (पैसे कमाने का जरिया) बनकर रह गया है।' इस लेटर में आगे लिखा गया है 'हम 'मेल्टिंग पॉट' से फिसलकर अब 'चैंबर पॉट' (गंदगी के ढेर) तक आ पहुंचे हैं... जन्मसिद्ध नागरिकता के मुद्दे पर पूरे देश में वोटिंग होनी चाहिए। इसे वकीलों के हाथों में नहीं सौंपा जाना चाहिए।' आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने जिस लेटर को शेयर किया है उसे धूर दक्षिणपंथी माइकल सैवेज ने लिखा है जो नस्लीय टिप्पणियां करने के लिए कुख्यात रहे हैं। वो एक अमेरिकी रेडियो होस्ट और लेखक हैं। इनका असली नाम माइकल एलन वेनर है लेकिन वे 'माइकल सैवेज' के नाम से ही जाने जाते हैं। वे लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक रहे हैं और उनके विचारों जैसे कि इमिग्रेशन पर सख्ती का खुलकर प्रचार करते हैं। उन्होंने इस लेटर को अप्रैल 2026 की शुरुआत में अपने शो और सोशल मीडिया पर साझा किया था जिसे अब डोनाल्ड ट्रंप ने रीपोस्ट किया है। इसमें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में चल रही दलीलों पर अपनी नाराजगी जताई है और दावा किया है कि भारत और चीन जैसे देशों से आने वाले लोग अमेरिका को एक 'कचरा पात्र' में बदल रहे हैं।

बालेन सरकार में नेपाल बना महाशक्तियों का अखाड़ा,अमेरिका के बाद चीनी चाणक्य पहुंचे, जताई नाराजगी

काठमांडू। बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद ऐसा लगा था कि नेपाल पुरानी राजनीति को पीछे छोड़ चुका है। बालेन शाह एक निष्पक्ष नेपाल बनाने के वादे के साथ सत्ता में आए थे लेकिन इस हफ्ते काठमांडू में सुपरपावर्स के बीच एक रेस देखी गई है। नेपाल के पत्रकार अनिल गिरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है 'ऐसा लगता है कि काठमांडू में चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक बॉक्सिंग फिर से शुरू हो गई है! अमेरिकी विदेश उप-सचिव समीर पॉल कपूर के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले से मुलाकात के कुछ ही घंटों बाद चीनी विदेश मंत्रालय के उप-निदेशक गाओ शिंग विदेश मंत्रालय पहुंचे। उन्होंने विदेश सचिव और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की और कुछ गंभीर चिंताएं जताईं।' हालांकि उन्होंने ये नहीं लिखा है कि 'वो चिंताएं क्या थीं।' इसके अलावा काठमांडू पोस्ट ने लिखा है कि मंगलवार को काठमांडू में बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता असल में देखने को मिली जब दोनों महाशक्तियों के अधिकारियों ने लगभग एक साथ बैठकें कीं और नेपाल सरकार को तीखे संदेश दिए। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक बीजिंग और काठमांडू की तरफ से एक साथ की गई इन कूटनीतिक पहलों ने उन तनावों की याद दिला दी जो आखिरी बार 2022 में यूएस मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन नेपाल समझौते के अनुमोदन के दौरान देखे गए थे। वहीं इस समय जब काठमांडू अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री समीर पॉल कपूर की मेजबानी कर रहा था ठीक उसी समय बीजिंग का एक वरिष्ठ राजनयिक भी शहर में मौजूद था और सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मंगलवार को मिल रहा था। समीर पॉल कपूर ने नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले के बीच बैठक खत्म होने के कुछ ही घंटे बाद चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के विभाग की उप महानिदेशक काओ जिंग ने विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और विदेश मंत्रालय के उत्तर-पूर्व एशिया प्रभाग के संयुक्त सचिव, भृगु डुंगाना के साथ बातचीत की। काओ ने उन चिंताओं को दोहराया जिन्हें बीजिंग काफी समय से नेपाल के सामने उठाता रहा है। काओ सोमवार को ही बीजिंग से काठमांडू पहुंची थीं जो समीर पॉल कपूर की यात्रा के साथ ही हुई थी। नेपाल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल छेत्री ने कहा 'विदेश सचिव राय और काओ के बीच हुई बैठक एक नियमित बैठक थी। यह नियमित डेस्क का काम और नेपाल और चीन के बीच के मामलों और एजेंडों पर आगे की कार्रवाई थी।' काठमांडू पोस्ट ने बैठक में मौजूद कुछ सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चीनी अधिकारी ने अमेरिका को लेकर नेपाली अधिकारियों के सामने कुछ चिंताए जताई और नेपाली विदेश मंत्री को बीजिंग आने का न्योता दिया है। राय और ढुंगाना के साथ बातचीत में उन्होंने उन्हें एमसीसी समझौते के संभावित नतीजों के बारे में आगाह किया और उन्होंने नेपाल से आग्रह किया कि वह यूएस स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम में शामिल न हो, जिसे नेपाल सरकार 2022 में ही खारिज कर चुकी है। चीनी अधिकारी ने नेपाल से ये भी कहा है कि वो अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के मालिकाना हक वाले स्टारलिंक सैटेलाइट नेटवर्क का हिस्सा न बने। दूसरी तरफ अमेरिकी अधिकारी जल्द से जल्द एमसीसी को पूरा करने के लिए प्रेशर बनाते दिखे। एमसीसी ने नेपाल में अपने दो प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए अगस्त 2028 की समय सीमा तय की है और अगर वे समय पर पूरे नहीं होते हैं तो इस समय सीमा को एक साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। विदेश मंत्री खनाल के साथ काओ की बैठक से पहले अमेरिका के सहायक सचिव कपूर ने अमेरिका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने की कोशिश की। इसके अलावा उन्होंने नेपाल में रह रहे तिब्बती शरणार्थियों के लिए पहचान पत्र जारी करने का मुद्दा भी उठाया।

'भारत और रूस में 3000 सैनिकों की तैनाती का समझौता अमेरिका को संदेश',एक्सपर्ट ने बताया गेमचेंजर

मॉस्कोः भारत और रूस के बीच लॉजिस्टिक्स सपोर्ट का आपसी आदान-प्रदान) समझौते की जानकारी मॉस्को ने जारी की है। इससे बीते साल हुए इस पैक्ट के बारे में डिटेल मिल गई है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के क्षेत्र में अपनी सेना, युद्धपोत और विमान तैनात करने की अनुमति देता है। एक्सपर्ट का मानना है कि भारत-रूस सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौता आर्कटिक से लेकर हिंद महासागर तक गेम-चेंजर साबित होगा। यह दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाएगा। साथ ही पाकिस्तान की तरफ झुकते अमेरिका को भी संदेश देगा। दिल्ली स्थित सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के पूर्व महानिदेशक एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त) ने आरटीइंडिया में लिखे लेख में बताया है कि कैसे यह समझौता दोनों देशों और दुनिया पर असर डालेगा। उनका मानना है कि जनवरी 2026 को लागू हुआ यह समझौता भारत के दृढ़ रुख, रूस की दृढ़ता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन के एक अधिक जटिल समीकरण की ओर बढ़ते कदम को दिखाता है। भूराजनीतिक रूप से यह समझौता रूस के साथ संबंधों को गहरा करके भारत की

रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाता है। साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में अन्य प्रमुख ताकतों के मुकाबले शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। रणनीतिक रूप से यह रूस को समुद्री विविधता के लिए आईओआर तक पहुंचने में सक्षम बनाता है, जबकि भारत को आर्कटिक और प्रशांत क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति प्रदान करता है। यह केवल बंदरगाहों पर जहाजों के रुकने और अभ्यासों तक सीमित नहीं है। भारत-रूस को इससे एक रणनीतिक फुटहोल्ड मिलता है। रूस को गर्म पानी वाले बंदरगाहों तक अधिक पहुंच की सख्त जरूरत है। रूसी सैनिक और उपकरण भारत या अंडमान द्वीप समूह में तैनात किए जा सकते हैं, जिससे उन्हें आईओआर तक पहुंच मिल जाएगी। रूस को दक्षिण-पूर्व एशिया तक अधिक पहुंच मिलेगी। पश्चिमी प्रशांत और आर्कटिक तक भारत की बढ़ती पहुंच के महत्वपूर्ण फायदे हैं। स्थायी रूप से तैनात सैनिक और उपकरण लगातार संयुक्त अभ्यासों में शामिल हो सकते हैं। भारत और रूस के युद्ध का अनुभव है। दोनों देशों के पास एक-दूसरे से सीखने के लिए बहुत कुछ है। यह आसानी से हासिल किया जा सकेगा, जब सैनिक लंबे समय तक एक साथ तैनात रहेंगे। दोनों देशों के लिए जरूरी है कि वे कॉग्निटिव ऑपरेशन, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, हाइपरसोनिक मिसाइलों और निर्देशित ऊर्जा हथियारों में नई तकनीकों के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव साझा करें। RELOS दोनों देशों के बीच ऊर्जा और खनिजों के व्यापार को सुचारू बनाने में मदद करेगा। यह सैन्य प्लेटफॉर्मों के आवागमन को आसान बना देगा। भारत के लिए यह समझौता रूस के नियंत्रण वाले आर्कटिक शिपिंग मार्गों (उत्तरी समुद्री मार्ग) तक सीधी पहुंच देगा। कुल मिलाकर यह आर्कटिक में भारत की बढ़ती रुचि को दिखाता है, जिसमें रूस के यमल प्रायद्वीप से एलएनजी प्राप्त करना शामिल है। RELOS दोनों सेनाओं के बीच तालमेल को बढ़ाएगा और रूस के 40 सैन्य अड्डों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके लंबी दूरी की तैनाती को मुमकिन बनाकर भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति को मजबूत करेगा। यह समझौता भारत और उसके सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक के बीच सैन्य सहयोग और लॉजिस्टिक्स सहायता को बढ़ावा देता है। समझौता भारत के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह भारत के 60 से 70% सैन्य साजो-सामान के रखरखाव में मदद करता है, जो रूसी मूल का है। इसमें पनडुब्बियां, Su-30MKI और ए-400 सिस्टम शामिल हैं। RELOS भारतीय नौसेना और वायुसेना की ऑपरेशनल पहुंच और सहनशक्ति को बढ़ाता है। खासतौर से दूरदराज के ऑपरेशन के लिए लॉजिस्टिक्स की तैयारी को बेहतर बनाता है। RELOS साफतौर पर दोनों के लिए फायदे का सौदा है। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देता है, जबकि रूस को गर्म पानी वाले क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स की गहराई देता है।

पेरू में एफ-16 लड़ाकू विमान डील पर मचा कलेश,राष्ट्रपति ने सौदा रोका तो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा,अमेरिका ने धमकाया

लिमा। एफ-16 लड़ाकू विमान डील को लेकर अमेरिका ने अपने पड़ोसी देश पेरू में राजनीतिक अशांति मचा दी है। पेरू के विदेश और रक्षा मंत्रियों ने अंतरिम राष्ट्रपति के उस फैसले के विरोध में इस्तीफा दे दिया है जिसमें उन्होंने 24 अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमान खरीदने के लिए 3.5 अरब डॉलर के सौदे को रोक दिया था। मंत्रियों ने कहा कि यह सौदा पहले ही हो चुका था और अब इस पर सवाल उठाने से एक व्यापारिक साझेदार के तौर पर पेरू की साख खतरे में पड़ जाएगी। स्थिति ये है कि राष्ट्रपति के डील रोकने के बाद भी देश के वित्त मंत्रालय ने एफ-16 खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन को 462 मिलियन डॉलर ट्रांसफर कर दिए। पेरू में एक के बाद एक राजनीनित इस्तीफे ने देश को राजनीतिक संकट में धकेल दिया है। ऐसा तब हुआ है जब देश के नौवें राष्ट्रपति को चुनने के लिए हुए चुनाव में भारी अफरा-तफरी मच गई थी। पेरू में किसी भी उम्मीदवार को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। जिसका मतलब है कि अब 7 जून को दोबारा चुनाव (रन-ऑफ) होगा। अंतरिम राष्ट्रपति जोस मारिया बाल्काज़र ने मंगलवार को कहा कि लड़ाकू विमानों के इस सौदे को अंतिम रूप देने का फैसला वह चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार पर छोड़ देंगे।पेरू के अंतरिम राष्ट्रपति जोस मारिया बालकाज़र ने इस डील को यह कहते हुए टालने की कोशिश की थी कि एक अस्थायी सरकार के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च करना उचित नहीं है।

होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा, स्मार्ट मीटर, पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता तथा प्रदेश की कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा, स्मार्ट मीटर, पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता तथा प्रदेश की कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री जी ने 25, 26 एवं 27 अप्रैल को प्रस्तावित होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा की तैयारियों, जनसुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं होगा; किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रदेश के 74 जनपदों में 41424 होमगार्ड्स पदों के लिए परीक्षा आगामी 25, 26 और 27 अप्रैल को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर शीतल पेयजल, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं तथा सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि आपूर्ति एवं वितरण पूरी तरह सामान्य है। नेपाल सीमा से सटे जनपदों में कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी आशंकाओं के समाधान हेतु गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त होगी। इस बीच, सभी जिलों में फीडर-वार विशेष शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान एवं व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित की जाए।

लू प्रकोप एवं हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु जनसामान्य के लिए आवश्यक दिशा निर्देश

लू व हीट वेव से बचने के लिए दोपहर 12 से 03 बजे तक कड़ी धूप में बाहर न निकलें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा लू प्रकोप एवं हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु जन सामान्य के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने लू एवं हीट स्ट्रोक से बचने के लिए जनपदवासियों को हीट स्ट्रोक/लू के दृष्टिगत बताया है कि हीट वेव की स्थिति शरीर का कार्य प्रणाली पर प्रभाव डालती है, जिससे जीवन खतरे में पड़ सकता है, इसके प्रभाव को कम करने के लिए कड़ी धूप में बाहर न निकले, और गरम हवा के स्थिति जानने के लिये रेडियो सुने, टीवी देखे, समाचार पत्र पर स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी लेते रहे। जितने बार हो सके पानी पिएं, प्यास न लगा हो तभी पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि हल्के रंग के ढीले वाले सूती वस्त्र पहने ताकि शरीर तक हवा पहुंचे और पसीने को सोख कर शरीर को ठंडा रखे। धूप में बाहर जाने से बचे, अगर बहुत जरूरी हो तो गमछा, चश्में, छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से बाहर निकले। उन्होंने कहा कि अगर आ खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों, को गीले कपड़े से ढके तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर गीले कपड़े से पोछे अथवा कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। ओ0आर0एस0, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी, माड नींबू पानी, छाछ आदि का प्रयोग करें जिससे शरीर में पानी की कमी की भरपाई की जा सके। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल न करें यह शरीर को निर्जलित कर सकते है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट कैंप के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचाने। यदि मूर्छा या बीमारी का अनुभव करते हैं तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। गर्मी के दिनों में ओ0आर0एस0 का घोल पिये। अन्य घरेलू पेय जैसे नींबू पानी, कच्चे आम का बना लस्सी आदि का प्रयोग करें, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। जानवरों को छायादार स्थान में रखें, उन्हे पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी दें। अपने घर को ठंडा रखें, घर को पर्दे से ढक कर या पेन्ट लगाकर 3-4 डिग्री तक ठंडा रखा जा सकता है। रात में अपने घरो की खिड़कियो को अवश्य खुली रखें। कार्यस्थल पर पानी की समुचित व्यवस्था रखें। फैन, ढीले कपड़े का उपयोग करें। ठंडे पानी से बार-बार नहाएं। अपर जिलाधिकारी ने लू व हीट वेव से बचने के लिए जनमानस से अपील करते हुए कहा है कि धूप में खड़े वाहने में बच्चे एवं पालतू जानवरों को न छोड़े। खिड़की की रिफलेक्अर जैसे एल्युमुनियम पन्नी गत्ते इत्यादि से ढककर रखे ताकि बाहर की गर्मी का अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों दरवाजे पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएँ आती है, काले कपड़े/पर्दे लगाकर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण/स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। जहां तक संभव हो घर में ही रहे सूर्य के संपर्क से बचें। सूर्य की तापमान से बचने के लिए जहाँ तक संभव हो घर की निचली मंजिल में ही रहे सबसे ऊपरी मंजिल में कदापि न रहें, ताप के प्रभाव से लू (हीट-वेव) का शिकार होने की सम्भावना प्रायः बनी रहती है। संतुलित हल्का व नियमित भोजन करें। दिन के 12 बजे से 03 बजे के बीच बाहर न निकले। गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र पहनने से बचें। खाना बनातें समय कमरे के खिड़की एवं दरवाजे खुले रखे, जिससे हवा का आना जाना बना रहे। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार इस लू एवं हीट वेव के दौरान उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें तथा बासी भोजन न करें।

बुद्ध जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी, बैठक में जिम्मेदारियों का हुआ बँटवारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली (सोइया) के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक बुद्ध विहार परिसर में सम्पन्न हुई। इस बैठक में सभी को विभिन्न जिम्मेदारियों को सौंपा गया। कई प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में उपस्थित रहे प्रमुख लोगों में प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र, अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप, सचिव रामफल फौजी, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन हीरालाल रामकिशोर, छोटे लाल पल्टूराम मास्टर, रामसुख व के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक गौरीगंज और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि रहे।

नगरपालिका परिषद के मनोनीत सभासदों को शपथ दिलाई गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। शासन द्वारा नगरपालिका परिषद गौरीगंज के मनोनीत पांचों सभासदों को शपथ दिलाई गयी। शपथ दिलाने का कार्य उपजिलाधिकारी प्रीति तिवारी ने किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सुशील कुमार सरोज ई ओ नगरपालिका परिषद गौरीगंज, नगरपालिका परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि दीपक सिंह पचेहरी मनोनीत पांचों सभासद अंकुर सिंह, रामजस लोधी, अविनाश चंद्र पांडेय, विष्णु अग्रहरि और दीपक शर्मा पुत्र रामचंद्र शर्मा सभासद वार्ड बीस आदि अन्य कई लोग मौजूद रहे। संबंधित सभासदों से अपेक्षा व्यक्त की गयी है कि ये सभी सभासद लोग जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। तमाम लोगों ने सभासदों के शपथ ग्रहण करने के लिए खुशी का इजहार भी किया है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत यूनाइटेड के पास पोल फैक्ट्री में मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। खबर लिखे जाने तक पुलिस द्वारा घटना के कारणों और पूरी परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश वेलफेयर पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल नवागंतुक जिलाधिकारी से मिला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अनूप मिश्रा संयोजक के नेतृत्व में नवागंतुक जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट की। वेस्टइंडीज मंडल में अनूप मिश्रा के साथ सहायक संयोजक पवनेंद्र श्रीवास्तव, राजेश कुमार पांडे, महिला आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की अध्यक्ष मंजू सिंह एवं महामंत्री मीना सोनकर के साथ-साथ जितेंद्र कुमार अध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ दिनेश कुमार वरिष्ठ कोषाध्यक्ष, प्रमोद कुमार ऑडिटर एवं शिवकुमार आदि उपस्थित थे। अनूप मिश्रा जी ने जिलाधिकारी महोदय को जनपद में कार्यभार ग्रहण करने की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उनके द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाएगा। उन्होंने जिलाधिकारी महोदय को आश्वस्त किया कि कर्मचारी उनके निर्देशों में कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा। जिलाधिकारी महोदय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि की पेंशनर्स एवं ईमानदार कर्मचारी को किसी प्रकार की कोई कठिनाई उनके कार्यकाल में महसूस नहीं होगी।

मिर्जापुर में हादसा-11 की मौत, बोलेरो में 9 जिंदा जले,शवों को पहचानना मुश्किल

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ। पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया। वो बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्राले से जा टकरा गईं। रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई। आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। शव इतनी बुरी तरह से जल गए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। परिवार मैहर से 8 साल के बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था। इसके अलावा स्विफ्ट कार के ड्राइवर और ट्राले के क्लीनर की भी मौत हो गई। हादसा डूमडगंज थाना क्षेत्र में हुआ। मिर्जापुर डीएम ने बताया- जिगना थाने नरैना निवासी अरुण सिंह का परिवार 8 साल के बेटे शिवा का मुंडन कराने मैहर गया था। हादसे में शिवा और उसकी मां वंदना की भी मौत हो गई है। इसके अलावा उनके रिश्तेदार पति-पत्नी और उनकी बेटी की भी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो में तुरंत आग लग गई। आग लगने से बोलेरो में सवार सभी यात्री अंदर ही फंस गए। चीखने-चिल्लाने लगे। आसपास के लोग मदद के लिए भागे, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कोई उसके पास भी नहीं पहुंच पाया।

जिला कारागार में महिला बंदियों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 30प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित पाकशाला के अतिरिक्त महिला बंदियों के बैरक का निरीक्षण कर महिला बन्दियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना गया। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा महिला बंदियों से उनके मुकदमे में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात महिला बंदियों को विधिक रुप से जागरूक करने हेतु विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित महिला बंदियों को उनके विधिक अधिकार बताये गये तथा यह भी बताया गया कि जिन महिला बन्दियों को निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता हो वह जेल में स्थित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकती है। निरीक्षण के दौरान व विधिक जागरूकता कार्यक्रम में जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल जयसिंह यादव, उपकारापाल सुमैया परवीन, अंकित गौतम व धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में रायबरेली में जनगणना 2027 को लेकर स्वगणना अभियान की बैठक की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान गणना कार्यक्रम से पहले चलाए जाने वाले स्वगणना अभियान को सफल बनाने के लिए आज मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता की अध्यक्षता में उनके कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि यह स्वगणना अभियान 07 मई 2026 से 21 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। बैठक में जनपद के सभी सम्बन्धित अधिकारियों के साथ अभियान की तैयारियों और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के माध्यम से न केवल स्वयं स्वगणना करें, बल्कि आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें। मुख्य विकास अधिकारी सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों के माध्यम से व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना प्रक्रिया में भाग ले। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि प्रचार-प्रसार के दौरान लोगों को संभावित ऑनलाइन या फोन आधारित स्कैम से भी सतर्क किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वगणना के नाम पर किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचाव के लिए जनसामान्य को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि स्वगणना अभियान के माध्यम से अधिकतम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे जनगणना प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके। बैठक में सभी अधिकारियों ने समन्वित प्रयासों के साथ अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपायुक्त एनआरएलएम सविता सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह व महाविद्यालयों के प्राचार्य, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी व जनपद के मास्टर ट्रेनर तथा जनगणना कंट्रोल रूम के सदस्य भी उपस्थित रहें।

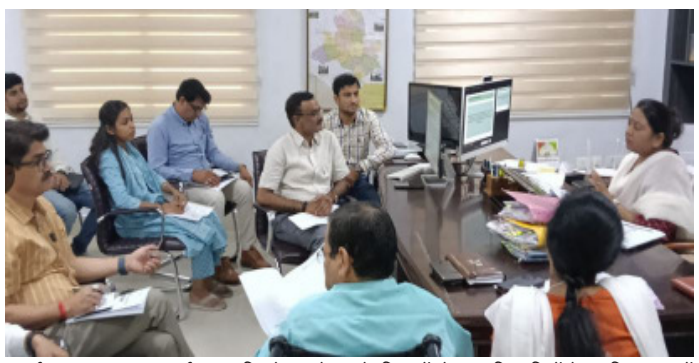

रायबरेली के आलोक शर्मा अंतरराष्ट्रीय पैरा डार्ट्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयनित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में भी उच्च योग्यता प्राप्त की हैः शैक्षिक योग्यताः आलोक लेकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। मलेशिया में होने वाली

रायबरेली के ऊंचाहार स्थित एनटीपीसी कॉलोनी के निवासी आलोक शर्मा ने एक बार फिर खेल जगत में जिले और देश का मान बढ़ाया हैं। भारतीय दिव्यांग डार्ट्स एसोसिएशन द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, आलोक का चयन मलेशिया में होने वाली सेलांगोर ओपन 2026 अंतरराष्ट्रीय पैरा डार्ट्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में किया गया है। आलोक को उनके राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन और कौशल के आधार पर इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया हैं। खेल और शिक्षा का अनूठा संगम-आलोक शर्मा न केवल एक उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं, बल्कि उन्होंने शिक्षा ने अपनी बी.टेक और एम.टेक की डिग्री प्रतिष्ठित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से प्राप्त की है। बहुमुखी प्रतिभाः वह मैदान पर डार्ट्स के साथ-साथ क्रिकेट में भी अपना लोहा मनवा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय पैरा क्रिकेटर के रूप में उपलब्धियां डार्ट्स में चयन से पहले आलोक शर्मा पैरा क्रिकेट के क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैंःनवंबर 2025ः आलोक ने नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा क्रिकेट टीम की ओर से श्रीलंका में मैच खेला था। अप्रैल 2026ः हाल ही में अप्रैल 2026 में भी उन्होंने श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा प्रतियोगिता का विवरण-डप्रतियोगिता का नाम- सेलांगोर ओपन 2026 - डार्ट्स चैंपियनशिप। मेजबान देश मलेशिया। मुख्य तिथियांः यह अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप 23 अप्रैल 2026 से 27 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी। सुविधाएंः चयन के आधार पर खिलाड़ी को आधिकारिक टीम किट, आवास और तकनीकी स्टाफ का सहयोग प्रदान किया जाएगा। भारतीय दिव्यांग डार्ट्स एसोसिएशन के महासचिव इमहेन्द्र प्रताप सिंहड ने विश्वास व्यक्त किया है कि आलोक शर्मा मलेशिया में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करेंगे।

बीडीओ ने समीक्षा बैठक मे पेयजल, आवास, पेंशन सत्यापन पर दिए निर्देश

खंड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड ग्राम पंचायतों के तालाबों में जल संचयन की स्थिति तथा की प्राथमिकता है। ऐसे में जन समस्याओं का समाधान

रॉबर्ट्सगंज के सभागार में गुरुवार को खंड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास खंड रॉबर्ट्सगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों में पेयजल की समस्या, आवास, पेंशन सत्यापन, शादी अनुदान, अनुसूचित जाति-जनजाति को मुख्यमंत्री आवासों की मांग के संबंध में समीक्षा की गई।बैठक के दौरान खंड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला ने संबंधित कर्मियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में लोगों की समस्याओं का समाधान शासन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक में एडीओ पंचायत राधेश्याम यादव, एडीओ सहकारिता अखिलेश प्रजापति, ग्राम विकास अधिकारी प्रिती पाठक, संगीता राय, स्वेता, पार्थ राज सिंह, अजय कुमार, प्रमोद कुमार समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

हर घर जल योजना से वंचित ग्राम पंचायत पटना के ग्रामीणों में आक्रोश,1 किमी दूर टंकी से नहीं जोड़ा गांव, 3 किमी दूर से लाने को मजबूर पानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकासखंड चतरा की ग्राम पंचायत पटना में 'हर घर

नल से जल योजना' के तहत आज तक पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है, जबकि आसपास की सभी ग्राम पंचायतों में योजना सुचारु रूप से संचालित है। योजना से वंचित ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामवासियों का कहना है कि ग्राम पंचायत पटना, बेलाही ग्राम समूह पेयजल योजना से संचालित है जिसकी दूरी 10-12 किलोमीटर है। योजना शुरू होने के वर्षों बाद भी गांव तक एक बूंद पानी नहीं पहुंचा है। भूजल स्तर गिरने से गांव के हैंडपंप भी जवाब दे चुके हैं। स्थिति यह है कि महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन 2-3 किलोमीटर दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। वही ई. शेखर बाबा, गोरख लाल, नीरज चौबे, रामराज चेरो, सुरेश कुमार ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत पटना से मात्र 1 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत शोढा (बरकोनिया) में पानी की टंकी स्थापित है और वहां जलापूर्ति चालू है। यदि संबंधित कार्यदायी संस्था उक्त टंकी से ग्राम पंचायत पटना को जोड़ दे तो तुरंत समस्या का समाधान हो सकता है। लेकिन बार-बार अवगत कराने के बावजूद कंपनी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सोनभद्र से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए हर घर जल योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत पटना में अविलंब पेयजल आपूर्ति शुरू कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र सुनवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

डीएम व एसपी ने जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली जनपद के सरेनी थाना क्षेत्र में गंगा नदी में डूबने से तीन व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हो गई जिसमें ग्राम रानीखेड़ा के निवासी हरिओम 22 वर्ष, हरिशंकर 16 वर्ष व सत्येन्द 26 वर्ष एवं हिमांशु सीएचसी सरेनी में भर्ती है जिनका उपचार किया जा रहा है। उक्त प्रकरण का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला अस्पताल रायबरेली पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। जिलाधिकारी ने शोकाकुल परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृतकों के परिजनों को शासन द्वारा अनुमन्य राहत राशि/

मुआवजा शीघ्र दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। पुलिस अधीक्षक ने भी घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बताया कि मामले की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सतर्कता बढ़ाई जाएगी। जनपद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नदी-तटों पर जाते समय विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

नोएडा में मजदूरों पर दमन के विरोध में संयुक्त वामदलों का प्रदर्शनः एडीएम को राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को संयुक्त वामदल सोनभद्र के बैनर तले

भाकपा, माकपा और माले कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा। ज्ञापन में नोएडा सहित पूरे देश में मजदूरों पर हो रहे दमन, लाठीचार्ज, फर्जी मुकदमों और शोषण का विरोध किया गया। भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने कहा कि नोएडा में वेतन वृद्धि, कार्य दशा में सुधार व 8 घंटे काम की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे मजदूरों पर भाजपा सरकार की दमनात्मक कार्रवाई उसके श्रमिक विरोधी और तानाशाही चरित्र का द्योतक है। माकपा जिला मंत्री कामरेड नन्द लाल आर्या ने कहा कि नोएडा में मजदूरों और नेताओं की गिरफ्तारी, जेल भेजना और परिवार से संपर्क रोकना बर्बरता की पराकाष्ठा है। गाजीपुर, वाराणसी, फिरोजाबाद, चंदौली में भी किसान नेताओं को घरों में अवैध ढंग से निरुद्ध किया गया। खेत मजदूर यूनियन के नेता कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जनतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का हनन आम बात हो गई है। किसान सभा के नेता कामरेड प्रेम नाथ ने कहा कि भाजपा सरकार जन आंदोलन को बदनाम कर जनता को अपमानित करती है। सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड विसंभर सिंह ने मांग की कि नोएडा में गिरफ्तार लोगों को रिहा किया जाए, दमन-उत्पीड़न बंद हो और मजदूरों की जायज मांगें पूरी की जाएं। वामदलों ने मांग की कि शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को न रोका जाए, गिरफ्तार मजदूरों-नेताओं को रिहा कर फर्जी मुकदमे वापस लिए जाएं, नेताओं-कार्यकर्ताओं को बेवजह गिरफ्तार करना व हाउस अरेस्ट करना रोका जाए, और नोएडा मजदूर आंदोलन पर श्रमिक संगठनों से वार्ता की जाए। वक्ताओं ने माकपा महासचिव और सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को डीएम व मजदूर परिवार से न मिलने देने की निंदा की और चेताया कि स्थिति गंभीर होगी। इस मौके पर कामरेड पुरषोत्तम, कामरेड प्रेम चन्द्र गुप्ता, कामरेड ईश्वर दयाल, कामरेड लल्लन राम, कामरेड दुबराजी देवी, कामरेड उर्मिला देवी, तेतरी देवी, सीमा, कमली देवी, कामरेड आशय कुमार सिंह, राजबली, हनुमान प्रसाद, राज कुमार, लाल बहादुर व रामबचन आदि उपस्थित रहे।

संगमनगरी में 97.17 परसेंट मार्क्स के साथ अविका हाईस्कूल टॉपर,सेंट एंथोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में अल्लापुर की रहने वाली अविका शर्मा ने 97.17 परसेंट मार्क्स के साथ हाईस्कूल में जिला टॉप किया है। उन्हें हाईस्कूल में कुल 600 में से 583 अंक हासिल हुए हैं। मैथ में उन्हें 100 में से 100 मार्क मिले हैं। इसके साथ ही उन्होंने यूपी में चौथे स्थान पर रहने वाले छह छात्र-छात्राओं में भी जगह बनाई है। अल्लापुर की रहने वाली अविका की इस उपलब्धि से स्कूल, परिवार और पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है। सेंट एंथोनी कॉन्वेंट स्कूल में जश्न का माहौल है और हर कोई अविका को बधाई दे रहा है। परिणाम घोषित होने के बाद जैसे ही अविका के टॉप करने की खबर स्कूल पहुंची, सेंट एंथोनी कॉन्वेंट में खुशी का माहौल बन गया। शिक्षकों और सहपाठियों ने मिठाई खिलाकर अविका को बधाई दी। स्कूल प्रबंधन ने भी इसे गर्व का क्षण बताया। रोजाना 9-10 घंटे की पढ़ाई अविका ने बताया कि उन्होंने नियमित रूप से रोजाना 9 से 10 घंटे पढ़ाई की। उनका मानना है कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन के बिना इतनी बड़ी सफलता हासिल करना संभव नहीं है। किस विषय में कितने अंक विज्ञानः 98 सामाजिक विज्ञानः 97 अंग्रेजीः 98 हिंदीः 98 गणितः 100 माता-पिता और प्रिंसिपल बनीं सबसे बड़ी प्रेरणा अविका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी।

राहुल गांधी की तस्वीर से अभद्रता पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

जिला अध्यक्ष रामराज गोंड के नेतृत्व में बढ़ौली चौराहे पर नारेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी युवा कांग्रेस सोनभद्र के जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा ने कहा कि देश के शीर्ष नेता के सम्मान के साथ अमर्यादित हरकत लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। युवा कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने वर्ष 2023 के 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग भी उठाई। कांग्रेस ने 19 अप्रैल को ही रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में लिखित तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। इस अवसर पर पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी, पी सी सी सदस्य राजबली पांडे, जिला उपाध्यक्ष संगीता श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष शारद पनिका, जिला उपाध्यक्ष कन्हैया पांडे, जिला उपाध्यक्ष नुरुद्दीन खान, अनुसूचित प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव राजेंद्र चौधरी, आरटीआई जिलाअध्यक्ष श्री कांत मिश्रा, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राहुल जैन, जिला महासचिव ज्यूत मौर्या, जिला महासचिव दयाशंकर पांडे, जिला महासचिव सुनीता तिवारी, पी सी सी सदस्य बेवी सिंह, जिला सचिव पूनम पठारी, जिला सचिव मंजू देवी, जिला सचिव मिकु, जिला सचिव पंकज मिश्रा, रोजनी, जिला सचिव रामबिलाश पनिका, जिला सचिव शीतला पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष लल्लू राम पांडे, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाउपाध्यक्ष अशोक यादव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष वंशीधर पांडे, दयाराम प्रजापति, अनिल बियार, सूरज चंद्रवशी, रियाज खान, अलीराज खान, राजमणि खरवार, रामलाल राजभर समेत दर्जनों कांग्रेसजन शामिल रहे।

महिला मोर्चा द्वारा 19 अप्रैल को किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तस्वीर पर कालिख पोतने और चप्पल मारने की घटना के विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र ने बढ़ौली चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष रामराज गोंड के नेतृत्व में केंद्र सरकार के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं के उग्र तेवर देख प्रशासन को चार थानों की पुलिस बल तैनात करनी पड़ी। पुतला दहन के प्रयास के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में तीखी झड़प व धक्का-मुक्की हुई। बढ़ते जनआक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने 10 दिनों के भीतर दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष रामराज गोंड ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ इस तरह की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और उग्र एवं व्यापक रूप दिया जाएगा।

चुर्क नगर पंचायत सभासदों द्वारा वन मंत्री को दिया गया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चुर्क/सोनभद्र। गुरुवार को जनपद दौरे पर आए वन, पर्यावरण जंतु उद्यान एवं जल वायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना को नगर पंचायत चुर्क घुर्मा के वार्ड नंबर 4 चुर्क बाजार के सभासद हिभांशु खत्री उर्फ अंशु, तथा वार्ड नंबर 1के सभासद सूरज चंद्रवंशी द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र की दो प्रमुख समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया और ध्यान आकृष्ट कराया गया। सोनभद्र स्थित सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश सरकार में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को चुर्क नगर व क्षेत्र पानी की समस्या को लेकर और पम्प हाऊस पर्यटर स्थल घाघर नदी तक जाने वाले मार्ग को जल्द से जल्द बनवाने को लेकर एक ज्ञापन दिया और बताया कि नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा के निवासियों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए वार्ड नंबर 05 में एक चेक डैम के निर्माण की मांग की जाय तथा इसके साथ ही, घाघर नदी पर स्थित पंप हाउस पर्यटक स्थल तक जाने वाले मार्ग की मरम्मत की भी अपील की गई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, चुर्क-घुर्मा क्षेत्र में पानी की भारी कमी है, जिससे नागरिकों को दैनिक जीवन में परेशानी हो रही है। वार्ड नंबर 05 में चेक डैम बनने से जल संचयन संभव हो पाएगा, जिससे पेयजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकेगा एवं वार्ड नंबर 05 से होकर चुर्क वन रेंज के रास्ते घाघर नदी पर स्थित पंप हाउस पर्यटक स्थल तक जाने वाली सड़क की हालत बेहद खराब है। पिछले लगभग दो वर्षों से इस मार्ग के क्षतिग्रस्त होने के कारण पर्यटक स्थल पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे स्थानीय पर्यटन प्रभावित हो रहा है। वन मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को भेजे गए एक पत्र में, नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा के निवासियों ने इस मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि सड़क की मरम्मत से न केवल पर्यटन फिर से शुरू होगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। जिसको देखते हुए वन मंत्री ने सभासदों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस विषय पर सोचा जाएगा एवं तत्काल ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने दो चोरों को किया गिरफ्तार,चोरी का 6 बोरी का गल्ला भी बरामद

सोनभद्र। जनपद की घोरावल कोतवाली पुलिस ने चोरी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का छह बोरी गल्ला भी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों को गुरुवार देर शाम न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। घोरावल पुलिस ने गुरुवार शाम करीब 6 बजे सिलवर-भरौली मार्ग पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को पकड़ा। अभियुक्तों के कब्जे से कुल छह बोरी गल्ला बरामद हुआ। इसमें 65.04 किलोग्राम सरसों (तीन बोरी) और 87.22 किलोग्राम गेहूं (तीन बोरी) शामिल है। बरामद माल को कानूनी प्रक्रिया के तहत सील कर दिया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि यह सामान चोरी का था, जिसे वे बेचकर अपने शौक पूरे करते थे। गिरफ्तार युवकों की पहचान अंशू उर्फ बादशाह (पुत्र रामप्रसाद उर्फ ओझा, उम्र करीब 19 वर्ष) और प्रीतम उर्फ छोटे (पुत्र राम सूरत, उम्र करीब 20 वर्ष) के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने राजपत्रित अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठकः अपराध नियंत्रण व लंबित विवेचनाओं के निस्तारण पर दिए सख्त निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को पुलिस लाइन चुर्क स्थित कान्फ्रेन्स हॉल में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण हेतु निर्देश दिए गए। बैठक में विगत 03 वर्षों के भादवि/निरोधात्मक अपराध आंकड़ों, क्षेत्राधिकारी के पास लंबित विवेचनाओं, 06 माह से अधिक समय से लंबित विवेचनाओं तथा 60/90 दिवस में निस्तारित होने वाली विवेचनाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने एसआर एवं अन्य वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, जनसुनवाई/आईजीआरएस/पीजी पोर्टल/सीएम हेल्पलाइन-1076 से संबंधित प्रकरणों, ITSSO/CAW पोर्टल पर लंबित अभियोगों, नए थानों/चौकियों के कार्यों, Yaksh App तथा रिक्रुट आरक्षियों हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड की प्रगति की समीक्षा की। साइबर अपराध एवं विभिन्न पोर्टलों पर प्राप्त प्रकरणों, फ्रॉड धनराशि होल्ड/रिफंड, CEIR पोर्टल पर गुम मोबाइल की बरामदगी, E-Sakshya के अंतर्गत SID जनरेट व साक्ष्यों की लिंकिंग, लंबित प्रारंभिक जांचों, क्षेत्राधिकारी स्तर पर विभिन्न आयोग/शासन से प्राप्त पत्रों, रानी लक्ष्मीबाई योजना, जमानतदारों के सत्यापन, खनन से संबंधित अभियोगों, PIT NDPS Act, 68F NDPS Act, 107 BNSS एवं 14(1) गैंगस्टर एक्ट, पैरोकार मीटिंग, ZFD, डायल-112, J-MIS पोर्टल एवं I-GOT पोर्टल आदि की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु प्रभावी कार्यवाही करें।

मारवाड़ी युवा मंच महिला सोन शाखा की ओर से पृथ्वी दिवस पर धरती माता को प्रदुषण से मुक्त करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को मारवाड़ी युवा मंच महिला सोन शाखा सोनभद्र की ओर से पृथ्वी दिवस पर धरती माता को प्रदुषण से मुक्त करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन नगर में ही स्थित एक पार्क में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात पौधारोपण कर पार्क में उपस्थित सभी लोगों को पौधे बांटे गए व पेड़ लगाओ धरती बचाओ का आवहान किया गया। मंच की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सांवरियाजी ने सभी सदस्यों को पृथ्वी बचाओ, जीवन बचाओ का शपथ भी दिलवाया व कहा कि यदि हमलोग इसी तरह पर्यावरण को प्रदुषित करते रहे तो निःसंदेह हमारा जीवन खतरे में पड़ जायेगा। वहीं सचिव श्रीमती चित्रा जालान ने कहा कि जिस तरह से प्रति वर्ष गर्मी बढ़ रही है, यह जीव जन्तुओं व? वनस्पति जगत के लिए भी घोर चिंता का विषय है। हमको इससे निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना होगा व जंगलों को काटने से बचाना होगा। मंच की कोषाध्यक्ष श्रीमती पूनम केड़िया जी ने पानी बचाने, प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करने, व्यर्थ भोजन ना बर्बाद करने की सलाह दी। साथ ही कहा कि अनावश्यक बिजली का दुरूपयोग भी नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर मारवाड़ी महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती अनीता थरड, अनीता कनोड़िया, पूनम खेतान, रूचि सांवरिया, ज्योति मित्तल, रितु अग्रवाल,प्रतिभा कानोड़िया, एकता केजरीवाल व अन्य सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाजपा जिला कमेटी में कुर्मी-कुशवाहा प्रतिनिधित्व कम होने पर आक्रोश

गौरी शंकर मंडल में कुर्मी समाज की बैठक, निवर्तमान पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल ने जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को गौरी शंकर मंडल के बरेला महादेव मंदिर पर नारसिंह पटेल की अध्यक्षता में कुर्मी समाज की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला कमेटी में कुर्मी-कुशवाहा समाज के कम प्रतिनिधित्व पर आक्रोश जताया गया। निवर्तमान पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि रॉबर्ट्सगंज और घोरावल विधानसभा में कुर्मी और कुशवाहा की संख्या सबसे अधिक है, पर सबसे कम जिला कमेटी में कुर्मी-कुशवाहा ही आ सके हैं। इससे कुर्मी-कुशवाहा संगठनों में जिला अध्यक्ष के प्रति काफी आक्रोश है। निवर्तमान मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि कुर्मियों की संख्या भाजपा की जिला कमेटी में कम होने से कुर्मियों का मनोबल टूटा है और कुर्मी समाज अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। बैठक को कुर्मि क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष डॉ. विमलेश पटेल, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर नीरज सिंह पटेल, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के निवर्तमान जिला संयोजक विनोद सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से छोटू पटेल, गौरी शंकर मंडल के मंडल उपाध्यक्ष दिनेश सिंह पटेल, जीमेल सिंह पटेल, गौरी शंकर मंडल के मंडल उपाध्यक्ष सुरेश सिंह पटेल, विजय सिंह पटेल, राजू सिंह पटेल, हर्षित पटेल, सुरेंद्र सिंह पटेल, राजेंद्र सिंह पटेल, झीमल सिंह पटेल, राजेश सिंह पटेल, गौरव सिंह पटेल आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन कुर्मी क्षत्रिय महासभा के जिला महामंत्री इंजीनियर केडी सिंह ने किया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

मैं हर वक्त ओवरथिंकिंग करता हूं,चाहकर भी ब्रेन को कंट्रोल नहीं कर पाता,क्या करूं

नयी दिल्ली। ओवरथिंकिंग एक ऐसा मेंटल प्रोसेस है, जिसमें व्यक्ति छोटी-छोटी घटनाओं के बारे में भी जरूरत से ज्यादा सोचता

है और उसे बहुत बड़ा बना देता है। यह आदत धीरे-धीरे एंग्जाइटी और इनसिक्योरिटी को बढ़ाती है। इससे सेल्फ डाउट पैदा होता है। व्यक्ति फैक्ट और उस फैक्ट के अपने इंटरप्रिटेशन में फर्क नहीं कर पाता। इसका असर इमोशंस और व्यवहार, दोनों पर पड़ता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28 साल का हूं और पेशे से इंजीनियर हूं। मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचता हूं। मेरे मन में हमेशा बुरे ख्याल ही आते हैं। जैसे अगर पापा ने फोन पर कहा कि वो मेरे पास नहीं आ रहे हैं तो मैं घंटों ये सोचता रहूंगा कि क्या मेरी कोई बात उन्हें बुरी लग गई। क्या मुझसे कोई गलती हुई है, क्या मैंने पिछली बार कुछ कह दिया था। और ये हमेशा हरेक चीज के बारे में होता है। अगर लैंडलॉर्ड अंकल भी स्माइल का जवाब न दें तो मेरे मन में अजीब-अजीब से बुरे ख्याल आने लगते हैं कि ये मुझसे नाराज हैं। अब ये मुझे घर से निकाल देंगे। क्या ये सिर्फ ओवरथिंकिंग है या कुछ और। मैं इस प्रॉब्लम से कैसे बाहर निकलूं? जवाब-केस का मनोवैज्ञानिक आकलन-1. मूल समस्या क्या है- इस केस में मुख्य समस्या घटना नहीं, बल्कि उसकी नकारात्मक व्याख्या है। जैसेकि- व्यक्ति छोटी-छोटी सोशल या इंटरपर्सनल घटनाओं का बहुत बड़ा अर्थ निकालता है। वह अस्पष्ट स्थितियों को नकारात्मक तरीके से समझता है। जरा सी बात को तुंरत अपनी गलती, अपनी कमी या अपना रिजेक्शन मान लेता है। उसका दिमाग एक ही विचार पर घंटों अटका रहता है। वह भविष्य को लेकर सबसे बुरी संभावना के बारे में सोचता है। 2. सोचने का तरीका (कॉग्निटिव पैटर्न) यहां सोच का एक खास तरह का पैटर्न दिखता है-माइंड रीडिंग (दूसरों के मन को पढ़ लेना) बिना किसी सबूत के मान लेना कि सामने वाला क्या सोच रहा है। पर्सनलाइजेशन (हर चीज खुद से जोड़ लेना) कुछ भी बुरा हो तो ये मान लेना कि ऐसा मेरी वजह से हुआ है।कैटेस्ट्रोफाइजिंग (सबसे बुरा सोच लेना) छोटी घटना से सीधे बड़े नतीजे पर पहुंच जाना। अब इस बात को अपने ही दिए उदाहरण से समझें। केस 1: पापा का न आना-फैक्टः पापा मिलने नहीं आ रहे हैं। इंटरप्रिटेशनः- 'क्या मैंने कुछ गलत कहा?' 'क्या वो मुझसे नाराज हैं?' 'क्या मुझसे कोई गलती हो गई?' यहां दिक्कत ये है कि दिमाग 'फैक्ट' से सीधे 'सेल्फ ब्लेम' पर चला जाता है। केस 2: मकान मालिक ने स्माइल का जवाब नहीं दिया। फैक्टः उन्होंने स्माइल के जवाब में स्माइल नहीं दी। इंटरप्रिटेशनः-'वो मुझसे नाराज हैं।' 'अब वो मुझे घर से

निकाल देंगे।' यहां एक न्यूट्रल घटना को भी खतरे की तरह देखा जा रहा है। 3. इसलिए बढ़ रही ओवरथिंकिंग-इवेंट- घटना समस्या नहीं है। इंटरप्रिटेशन- उसकी व्याख्या समस्या है। दिमाग अनिश्चितता को सहन नहीं कर पाता। इसलिए जल्दी से एक नेगेटिव कहानी बना देता है। यह कहानी बार-बार दोहराई जाती है, जिससे ओवरथिंकिंग बढ़ती है। ओवरथिंकिंग के संकेत-तिल का ताड़ और राई का पहाड़ बनाने से लेकर हमेशा बुरी और नेगेटिव संभावनाओं के बारे सोचना ओवरथिंकिंग का संकेत हो सकता है। करें सेल्फ एसेसमेंट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। नीचे ग्राफिक्स में 7 सेक्शंस में कुल 21 सवाल हैं। आपको इन सवालों को ध्यान से पढ़ना है और 0 से 3 के स्केल पर इसे रेट करना है। जैसेकि अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। नंबर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। अगर आपका टोटल स्कोर 0 से 12 के बीच है तो आप में ओवरथिंकिंग का मामूली पैटर्न है। लेकिन अगर आपका स्कोर 37 से 54 के बीच है तो आप में ओवरथिंकिंग का स्ट्रॉन्ग पैटर्न है। ऐसे में स्ट्रक्चर्ड थेरेपी मददगार हो सकती है। ओवरथिंकिंग से बाहर निकलने का रास्ता-ओवरथिंकिंग का लक्ष्य 'सोचना बंद करना' नहीं है। इसका लक्ष्य है, सोचने के तरीके को बदलना ताकि व्यक्ति अपने विचारों को पहचान सके, उन्हें जांच सके और एक संतुलित सोच विकसित कर सके। ट्रीटमेंट का मकसद-ऑटोमैटिक आने वाले विचारों को समझना। तथ्य (फैक्ट) और व्याख्या (इंटरप्रिटेशन) में फर्क करना। वैकल्पिक और संतुलित सोच विकसित करना।सबसे बुरा सोचने की आदत को ब्रेक करना। कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (सीबीटी) के प्रमुख स्टेप्स-1. ट्रिगर पहचानना- हर बार जब ओवरथिंकिंग शुरू हो तो खुद से तीन सवाल पूछें: क्या हुआ? मैंने उसका क्या मतलब निकाला? मुझे कैसा महसूस हुआ? इससे दिमाग 'ऑटो-पायलट' मोड से बाहर आता है।2. ऑटोमैटिक थॉट पकड़ना- हवाई चिंता नहीं करनी, बल्कि एकदम ठोस वाक्य लिखना है। जब मन कहे कि लोग तुमसे नाराज हैं तो कागज पर फैक्ट लिखें कि मैंने क्या गलत किया है। 3. अपनी सोच को लेबल देना-हर विचार के साथ उसकी गलती पहचानें। जैसे- मैं दूसरे का दिमाग पढ़ रहा था। सच मुझे नहीं पता। मैं इसे जबरन खुद से जोड़कर देख रहा था। इस घटना का मुझसे कोई संबंध नहीं है। 4. सबूत की जांच करना-मन में जो भी विचार आए, उसके लिए एक एविडेंस शीट बनाएं और लिखें- इस विचार के पक्ष में एविडेंस- इस विचार के विरोध में एविडेंस 5. संतुलित विचार बनाना- विचार को नेगेटिव से पॉजिटिव पर नहीं ले जाना है। उसे रियलिस्टिक ही रहने देना है। जैसेकि- 'सिर्फ किसी के न आने से ये साबित नहीं होता कि वह मुझसे नाराज है।' 6. संभावना को दोबारा आंकना- नतीजा निकालने से पहले खुद से पूछें: 'ये बात सच होने की संभावना कितनी है?' इससे डर का आंकलन करने और उसे कम करने में मदद मिलती है। 7. प्रैक्टिकल प्रयोग करना-किसी घटना पर तुरंत निष्कर्ष न निकालें। 24 घंटे का नियम अपनाएं। 24 घंटे बाद ही नतीजे पर पहुंचें। 8. क्लैरिफिकेशन टेस्ट- जब किसी की बात, रिएक्शन या बिहेवियर से कोई कनफ्यूजन हो तो सीधे निष्कर्ष न निकालें। विनम्रता से पूछ लें। 9. एविडेंस लॉग-7 दिनों तक एक एविडेंस लॉग बनाएं और उसमें रोज नोट करें- मैंने क्या सोचा। असल में क्या हुआ। 10. रूमिनेशन पर कंट्रोल-एक ही थिंकिंग लूप में न फंसें।सोचने के लिए 10 मिनट फिक्स करें। उसके बाद अपना ध्यान किसी दूसरे काम में लगाएं।जब ब्रेन अपने प्रयासों से कंट्रोल न हो पाए और ओवरथिंकिंग का पैटर्न डिप्रेशन में बदलने लगे तो प्रोफेशनल हेल्प जरूरी है। नीचे ग्राफिक में सारे कारण देखें और इन स्थितियों में प्रोफेशनल मदद जरूर लें। जैसाकि हमने ऊपर समझा कि आपकी मुख्य समस्या है- अस्पष्ट स्थितियों को नकारात्मक अर्थ देना और उसके लिए खुद को दोषी मानना। कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी का मूल मंत्र ही यही है कि हर विचार सच नहीं होता। वह आपका इंटरप्रिटेशन हो सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि वो फैक्ट हो। यह समझ ही ओवरथिंकिंग के चक्र को तोड़ने की कुंजी है।

आईपीएल में लखनऊ की घर में लगातार सातवीं हार,राजस्थान ने 40 रन से हराया, जडेजा ने 43 रन बनाए, एक विकेट लिया

लखनऊ। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हार का सिलसिला जारी है। टीम को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ

40 रन से हार मिली। यह उसकी सीजन में लगातार चौथी हार रही। घरेलू मैदान इकाना पर यह लखनऊ की लगातार सातवीं हार रही। टीम ने एक साल से घर पर कोई मैच नहीं जीता है। यह दिल्ली (9) और डेक्कन चार्जर्स (8) के बाद घरेलू मैदान पर तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स की इस सीजन पांचवी जीत है। बुधवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को 40 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में बुधवार को राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 18 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से मिचेल मार्श ने फिफ्टी (55 रन) जरूर लगाई, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। कप्तान ऋषभ पंत, आयुष बडोनी और ऐडन मार्करम खाता तक नहीं खोल सके। गेंदबाजी में राजस्थान से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए नाबाद 43 रन बनाए और निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले बैटिंग कर रही राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें मोहसिन खान ने दिग्वेश राठी के हाथों कैच कराया। लखनऊ के लिए गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। एक समय राजस्थान के 62 रन पर 4 विकेट गिर गए थे।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रवींद्र जडेजा ने 2 चौके और एक सिक्स की मदद से 29 बॉल पर नाबाद 43 रन बनाकर टीम का स्कोर 159 तक पहुंचाया। इतना ही नहीं बॉलिंग में उन्होंने सेट बल्लेबाज निकोलस पूरन का 22 रन पर विकेट भी लिया। राजस्थान रॉयल्स 7 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

लखनऊ 7 मैचों में 5 हार के साथ नौवें स्थान पर है।

पंजाब किंग्स अब भी 11 अंकों के साथ टॉप पर बनी हुई है। लखनऊ सुपर जायंट्सः मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), ऐडन मार्करम, निकोलस पूरन, मुकुल चौधरी, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी और मयंक यादव। इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह। राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नांद्रे बर्गर, ब्रिजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर- शुभम दुबे।आर्चर ने मोहसिन को बोल्ड किया- आर्चर ने 18वें ओवर में दो विकेट लेकर मुकाबला खत्म कर दिया। पहले मयंक यादव को आउट किया, जहां ध्रुव जुरेल ने दाईं ओर डाइव लगाकर शानदार एक हाथ से कैच पकड़ा। ओवर की आखिरी गेंद पर आर्चर ने मोहसिन खान को बोल्ड कर दिया। फुल और तेज गेंद पर मोहसिन कोई जवाब नहीं दे सके और स्टंप्स बिखर गए। बृजेश को ओवर में दो विकेट-बृजेश शर्मा ने एक ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ओवर की पहली ही गेंद पर मुकुल चौधरी शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने के चक्कर में मिसटाइम कर बैठे और एक्स्ट्रा कवर पर रियान पराग ने आगे डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ लिया।इसके बाद उसी ओवर में मोहम्मद शमी को भी बृजेश ने बोल्ड कर दिया। फुल और तेज गेंद अंदर आई, जिस पर शमी बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में चूक गए और गेंद सीधे लेग स्टंप उखाड़ गई। मिचेल मार्श ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन 16वें ओवर की तीसरी बॉल वे पवेलियन लौट गए। नांद्रे बर्गर की फुल और वाइड गेंद पर मार्श ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से से लगकर हवा में ऊंची चली गई। एक्स्ट्रा कवर से पीछे भागते हुए रियान पराग ने शानदार कैच लपका।

सोया चंक्स के हेल्थ बेनिफिट्स,डाइटीशियन से जानें किन्हें नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। सोया चंक्स शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स हैं। इसमें प्रोटीन के साथ फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। ये मसल्स और हड्डियों को मजबूत रखने व शरीर की इम्यूनिटी को सपोर्ट करने में मदद करता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर-'वनडाइडडुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से. 'नेशनल सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ ' के मुताबिक, सोया चंक्स कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मददगार हैं। इससे महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान होने वाले हॉट फ्लैशेज (अचानक तेज गर्मी महसूस होना) से भी राहत मिलती है। कुछ स्टडीज में पता चला है कि इससे ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क भी कम हो सकता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत रखने और ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में भी मददगार है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग हो सकता है। फिर भी संतुलित मात्रा में सोया चंक्स आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद है। सवाल- सोया चंक्स में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ' के मुताबिक, 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 ग्राम प्रोटीन होता है, जो मसल बिल्डिंग और रिकवरी के लिए बेहद फायदेमंद है। सोया चंक्स वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है। इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।सवाल- सोया चंक्स कैसे तैयार किए जाते हैं? जवाब- सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचे हुए हिस्से को बारीक पीस लिया जाता है। फिर इसे प्रोसेस करके 'सोया चंक्स' बनाए जाते हैं। इसे बनाने की प्रक्रिया समझिए- कच्चे सोयाबीन से तेल निकालकर बचे हुए 'डी-फैटेड सोया फ्लोर' को पानी के साथ मिक्सर में मिलाया जाता है, जिससे गाढ़ी स्लरी बनती है। यह स्लरी सोया नगेट 'एक्सट्रूडर कुकिंग मशीन' में डाली

जाती है। इसके अंदर स्लरी को हाई टेम्परेचर और प्रेशर पर पकाया जाता है। मशीन पके हुए सोया पेस्ट को कटर की मदद से छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देती है। यह प्रक्रिया हाई प्रेशर में होती है, जिससे सोया चंक्स को स्पंजी टेक्सचर मिलता है। इन छोटे-छोटे टुकड़ों को ड्रायर में सुखा लिया जाता है। इनकी क्वालिटी जांचकर अंत में पैक करके बाजार में भेज दिया जाता है।सवाल- सोया चंक्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं? जवाब- सोया चंक्स एक हाई-प्रोटीन, लो-फैट और फाइबर से भरपूर फूड है, जो शरीर की कई जरूरतों को पूरा करता है। जैसेकि- सोया चंक्स में लगभग 52फीसदी प्रोटीन होता है, जो मसल्स ग्रोथ और रिपेयर में मदद करता है। हाई फाइबर और लो फैट होने के कारण इससे पेट देर तक भरा रहता है। यह वेट मैनेजमेंट में सपोर्ट करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करके हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर होने के कारण हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है। आयरन से भरपूर होने के कारण भी मदद करता है। सोया चंक्स में पौधे में पाया जाने वाला 'आइसोफ्लेवोन्स' कंपाउंड होता है। ये मेनोपॉज से गुजर रही महिलाओं में हॉट फ्लैशेज जैसी समस्याओं को कम करता है। इसमें मौजूद फॉस्फोरस ब्रेन फंक्शन और मेमोरी को सपोर्ट करता है।सवाल- सोया चंक्स को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इसे अपनी रोजमर्रा की डाइट में आसानी से शामिल कर सकते हैं। जैसेकि- इसे सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। चावल से बने व्यंजन जैसे, पुलाव या फ्राइड राइस में इस्तेमाल हो सकता है। इसे सूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। सोया चंक्स को उबालकर सलाद में मिला सकते हैं। इसे सब्जियों के साथ हल्का सा भूनकर भी खा सकते हैं।सवाल- क्या सोया चंक्स के ज्यादा सेवन से कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां, इसके ज्यादा सेवन के कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। जैसेकि- गैस, सूजन, अपच, दस्त, कुछ लोगों में सोया से एलर्जी भी होती है, जिससे खुजली, रैशेज या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सोया में मौजूद 'फाइटोएस्ट्रोजेन थायरॉइड' से पीड़ित लोगों में हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितना सोया चंक्स खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए एक दिन में 25 से 30 ग्राम सोया चंक्स सुरक्षित है। पकाने के बाद यह मात्रा लगभग एक बटे दो से 1 कटोरी हो जाती है।सवाल- क्या डायबिटिक लोग सोया चंक्स खा सकते हैं? जवाब- हां, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर धीरे-धीरे बढ़ाता है। यह डायबिटिक लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। सवाल- क्या बच्चों को सोया चंक्स देना सही है? जवाब- हां, सीमित मात्रा में बच्चों को सोया चंक्स दिया जा सकता है।

ये उनकी ग्रोथ, मसल डेवलपमेंट और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर बच्चे को कोई हेल्थ कंडीशन है तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। सवाल- किन लोगों को सोया चंक्स नहीं खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि कुछ लोगों के लिए सोया चंक्स नुकसानदायक हो सकते हैं। सवाल- मार्केट से सोया चंक्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- सोया चंक्स खरीदते समय उनकी क्वालिटी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- पैकेट पर एफएसएसएआई नंबर जरूर देखें। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट भी चेक करें। देखें कि पैकेट सील्ड है या नहीं। अजीब गंध वाले सोया चंक्स न खरीदें। ब्रांडेड और भरोसेमंद कंपनी के सोया चंक्स चुनें। इंग्रीडिएंट लिस्ट देखें। चेक करें कि इसमें अनावश्यक केमिकल या एडिटिव्स न हों।

धोनी चेन्नई के लिए वापसी कर सकते हैं,वानखेड़े में मुंबई से मुकाबला,एमआई ने सीकेएस को 21 मैच हराए

नयी दिल्ली। आईपीएल में आज एल-क्लासिको मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से मुंबई में होगा। मैच एमआई के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। जबकि टॉस शाम 7:00 बजे होगा। इस मुकाबले में सीकेएस के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की वापसी की संभावना है, जो इस सीजन अब तक खेले गए 6 मैचों में नहीं उतरे हैं। वहीं, रोहित शर्मा भी चोट से उबरकर इस मैच में वापसी कर सकते हैं, उन्होंने पिछले दो मुकाबले मिस किए थे। इस सीजन दोनों टीमों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। दोनों ने 6 में से सिर्फ 2 मैच जीते हैं, जबकि 4 में हार का सामना करना पड़ा है। बेहतर नेट रनरेट के कारण मुंबई इंडियंस 7वें स्थान पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स 8वें नंबर पर काबिज है। आईपीएल की दो सबसे सफल टीमों के बीच अब तक 41 मुकाबले हुए हैं, जिसमें एमआई को 22, जबकि सीकेएस को 19 में जीत मिली है। वानखेड़े में हुए 13 मैचों में भी एमआई की टीम 8 और सीकेएस ने 5 मैच जीते हैं। लेकिन 2023 से दोनों टीमों के बीच हुए पांच मुकाबलों में एमआई सिर्फ एक ही मैच जीत पाई है। तिलक वर्मा इस सीजन मुंबई इंडियंस के लिए शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। उन्होंने 6 मैचों में

144 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक शामिल है। यह शतक पिछले मैच में गुजरात के खिलाफ आया था। उनका स्ट्राइक रेट 187.01 का है। गेंदबाजी में शार्दूल ठाकुर ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, जिसमें 3/39 उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा। हालांकि उनकी इकोनॉमी 13.57 रही है, लेकिन विकेट लेने की क्षमता से उन्होंने टीम को अहम मौकों पर सफलता दिलाई है। संजू सैमसन इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार लय में दिखे हैं। उन्होंने 6 मैचों में 192 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक शामिल है। 174.54 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सैमसन ने टीम को तेज शुरुआत दी है। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कंबोज ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 मैचों में 13 विकेट झटके हैं, जिसमें 3/22 उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा। 9.73 की इकोनॉमी के साथ कंबोज ने लगातार विकेट निकालकर सीकेएस की गेंदबाजी को मजबूती दी है।वानखेड़े स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार मानी जाती है, जहां अक्सर हाई-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं। हालांकि, नई गेंद से तेज गेंदबाजों को थोड़ी बहुत सहायता भी मिलती है। इस मैदान पर अब तक आईपीएल के 126 मैच खेले जा चुके हैं, जिनमें से 58 मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि 68 मैचों में चेज करने वाली टीम सफल रही है। इस सीजन यहां खेले गए 3 मैचों में से 2 में 200 से ज्यादा स्कोर बने हैं। वहीं, होम टीम मुंबई को एक मैच में जीत मिली है, जबकि उसे दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई में आज गर्मी रहेगी-मुंबई में गुरुवार को दिनभर तेज गर्मी के साथ तेज धूप रहेगी, जिससे मौसम और भी झुलसाने वाला महसूस होगा। दोपहर के समय हवा चलने से थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन गर्मी का असर खतरनाक रहेगा।। बारिश की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं है। तापमान 39 से 27 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12-मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक, नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), तिलक वर्मा, शेरफन रदरफोर्ड, मिचेल सैंटनर, क्रिष भगत, जसप्रीत बुमराह, अल्लाह गजनफर और अश्विनी कुमार। चेन्नई सुपर किंग्सः संजू सैमसन (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), सरफराज खान, शिवम दुबे, महेंद्र सिंह धोनी, डेवाल्ड ब्रेविस, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मुकेश चौधरी और गुरजपनीत सिंह।

हार्वर्ड की स्टडी- अच्छा छात्र कौन? अच्छे विद्यार्थी के 4 प्रमुख गुण, पहला- जिज्ञासा, दूसरा- सटीक चिंतन, तीसरा- नैतिकता, चौथा- सही समझ

नयी दिल्ली। क्या आप एक अच्छे छात्र हैं? या फिर बनना चाहते हैं या किसी और को बनाना चाहते हैं, तो ये खबर आपके लिए है। हार्वर्ड ने अपनी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों और व्याख्याताओं से पूछा कि एक अच्छा छात्र कौन होता है? उसमें क्या-क्या गुण होने चाहिए? हार्वर्ड ने इन जवाबों को प्रकाशित भी किया है। इसमें चार प्रमुख गुण बताए गए हैं- पहला और सबसे महत्वपूर्ण है एक वास्तविक, गहरी और निरंतर जिज्ञासा। दूसरा है सटीक चिंतन। तीसरा है नैतिकता यानी जो कोई गलत तरीका नहीं अपनाते हैं। चौथा और अंतिम है यह जानना कि किसी काम को कब शुरू करना है और कब तक खत्म कर देना है। इसके अलावा, छात्रों में विषय या क्षेत्रवार भी कुछ गुण जरूरी हैं। 9 जरूरी गुण... जो हार्वर्ड के अलग-अलग विभाग के प्रोफेसर्स ने बताए- साइंस में अच्छे छात्र वे होते हैं, जो परीक्षा में अच्छा करने के लिए नहीं, बल्कि समझने के लिए पढ़ते हैं। बाहरी धक्के की जरूरत नहीं। - प्रो. कोरा ड्वर्किन। लॉ में अच्छे छात्र सवाल पूछते हैं और पूछते रहते हैं। वे समझते हैं कि कितना भी जान लें, पूछने के लिए हमेशा और सवाल बाकी रहते हैं।- प्रो. केनेथ डब्ल्यू. मैक। मेडिकल छात्र के लिए केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि 'क्या' करना है, बल्कि यह जानना भी जरूरी है कि यह आखिर 'क्यों' करना है। - रिचर्ड एम. श्वार्टजस्टीन। डिजाइन में सफलता के लिए पैनी एकाग्रता और दुनिया की चीजों को गहराई से देखने की इच्छा जरूरी है। यही उन्हें आगे ले जाती है। - प्रो. मेगन पांजानो। अच्छे छात्र' स्कूल की अपेक्षाएं पूरी करते हैं और वे अच्छे ग्रेड लाते हैं। लेकिन 'अच्छे सीखने वाले' खोज के जुनून से प्रेरित होते हैं। - प्रो. टीना ग्रोटजर। अच्छे छात्र असहमति को गंभीरता से लेते हैं। ध्यान से सुनते हैं, दूसरों को समझने की कोशिश करते हैं। सोच-समझकर उत्तर देते हैं। - प्रो. युहुआ वांग। जो छात्र विचारों को स्पष्ट तर्कों और निष्कर्षों के साथ पेश कर सकते हैं, वे विषय को बेहतर समझते हैं, दूसरों को समझाने में माहिर होते हैं। - प्रो. देह्विया उमुन्ना,यह समझना महत्वपूर्ण कौशल है कि कब उनका काम पर्याप्त हो गया, एक प्रोजेक्ट कब समाप्त करना है और अगले पर कब बढ़ना है। - प्रो. जेकब बारंडेस.अच्छे छात्र खुद को उच्च नैतिक मानकों पर रखते हैं, वे अपना हर काम पूरी ईमानदारी के साथ करते हैं और अपने साथियों का विश्वास जीतते हैं। वे नकल नहीं करते या शॉर्टकट नहीं अपनाते। इनमें निरंतर एक जिज्ञासा रहती है। - हेनरीक सी. बेशे। 9 बड़े मंत्र... जो यूपीएससी-जेईई-नीट और बोर्ड टॉपर्स ने दिए हैं,1 - यहां कम ही ज्यादा है 10 किताबें एक बार पढ़ने से बेहतर है एक स्टैंडर्ड किताब को 10 बार पढ़ा जाए। इससे कॉन्सेप्ट पर पकड़ बढ़ती है और कन्फ्यूजन भी नहीं होता। 2- पिछले प्रश्नों को देखें टॉपर्स पिछले 5-10 सालों के प्रश्नों का विश्लेषण करके यह समझते हैं कि परीक्षा की मांग क्या है और किन टॉपिक्स का महत्व ज्यादा है। 3 - रोज अनुशासित रहें 15 घंटे एक दिन पढ़कर अगले तीन दिन आराम करना व्यर्थ है। रोज 6-8 घंटे की अनुशासित पढ़ाई करें, फिर चाहें पढ़ने का मन हो, न हो। 4 - मॉक टेस्ट से परखें मॉक टेस्ट देने के बाद टॉपर्स हर गलत उत्तर का विश्लेषण करते हैं। मिस्टेक नोट बनाते हैं, जिसमें हर गलती लिखते हैं, परीक्षा से पहले दोहराते हैं। 5 - रिवीजन पर जोर दें पढ़ना 30फीसदी काम है, तो 70फीसदी काम उसे याद रखना (रिवीजन) है। टॉपर्स दैनिक, साप्ताहिक, मासिक रिवीजन का सख्त शेड्यूल बनाते हैं। 6 - खुद अपने नोट्स बनाएं अपने हाथ से संक्षिप्त नोट्स या माइंड मैप्स बनाते हैं। लिखने से कॉन्सेप्ट ज्यादा स्पष्ट होते हैं। परीक्षा से पहले रिवीजन में ये नोट्स कारगर। 7 - सेहत से समझौता नहीं टॉपर नींद से समझौता नहीं करते। दिमाग को जानकारी प्रोसेस करने के लिए 6-7 घंटे की गहरी नींद जरूरी। हल्का व्यायाम/ध्यान भी करें। 8 - एनसीईआरटी बुक पढ़ें हर टॉपर, चाहे वह यूपीएससी का हो या नीट का, एनसीईआरटी की किताबों से तैयारी की सलाह देता है। ये सरल भाषा में कॉन्सेप्ट्स समझाती हैं। 9 - एकाग्रता से अभ्यास करें टॉपर्स हमेशा घड़ी लगाकर, एक शांत कमरे में बैठकर और परीक्षा हॉल जैसी गंभीरता के साथ मॉक टेस्ट देते हैं। इससे टाइम मैनेजमेंट और दबाव झेलने की क्षमता विकसित होती है। खुद पर हमेशा भरोसा रखें।

अपनी खूबियों को दूसरों की सेवा में लगाएं लेकिन समय से

अपना बेस्ट भी समय पर डिलीवर करिए, ये प्रबंधन की दुनिया की एक समझाइश है। इसमें दो बातें हैं- बेस्ट और समय। हमारी जो खूबियां हैं, उनको जरूर दूसरों की सेवा में लगाएं, लेकिन समय पर लगाएं। बचपन, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था- इनमें हमारा जीवन भाग रहा है। एक रूपक के द्वारा इन चार अवस्थाओं को समझें। बचपन यानी गलियां- गलियों में जिस तरह बच्चे खेलते हैं, आवागमन होता है, एक अजीब-सा अपनापन है गलियों में। धीरे-धीरे गलियां लुप्त हो रही हैं। युवावस्था को यूं समझें कि बीच नगर से निकलने वाला रास्ता, जिसमें सबसे ज्यादा जाम लगता है। युवावस्था में विचारों, स्थितियों, व्यक्तियों का जाम लग जाता है। समझ नहीं आता आगे कैसे जाएं? प्रौढ़ावस्था बीच शहर में बने पुल जैसी है, आप अपनी सुविधा से ऊपर से निकल जाइए। वृद्धावस्था को हाईवे की तरह मान लीजिए। टोल-टैक्स जमा करिए और थोड़ा आराम से चलिए। ये चार उम्र और इन चार व्यवस्थाओं को समझें और इनमें अपना बेस्ट दें। (पं. विजयशंकर मेहता)

हिमालय का अंतिम अल्टीमेटमः अब नहीं संभले तो विनाश निश्चित है!

लेखकः संत महंत महादेव दास बाबा जीः नंदा देवी पर्वत, उत्तराखंड.

क्या हम हिमालय को मार रहे हैं? आज हम जिसे 'पर्यटन' कह रहे हैं, वह असल में हिमालय की आत्मा का कत्ल है। लोग पहाड़ों पर शांति खोजने नहीं, बल्कि अपना शोर और कचरा छोड़ने जा रहे हैं। याद रखिए, हिमालय कोई 'पिकनिक स्पॉट' नहीं है, यह महादेव का घर है, ऋषियों की तपोभूमि है।गंभीर चेतावनीः मनोरंजन बना विनाश का कारण.जब आप हिमालय को केवल एक 'टूरिस्ट डेस्टिनेशन' समझते हैं, तो आप प्रकृति को चुनौती दे रहे होते हैं। आज जो ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जो नदियां अपना रास्ता बदल रही हैं, और जो पहाड़ दरक रहे हैं–ये सब हिमालय की सिसकियाँ हैं। 'जो हिमालय को मनोरंजन का केंद्र बनाता है, वह केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का विनाश करता है।' - महादेव दास बाबा जी विकास या विनाश? सरकार और उद्योगपति ध्यान दें! होटल, चौड़ी सड़कें और कंक्रीट के जंगल... क्या यही विकास है? हिमालय कोई 'इकोनॉमिक ज़ोन' नहीं है। यहाँ का इकोसिस्टम इतना नाजुक है कि आपकी एक छोटी सी मानवीय छेड़छाड़ पूरे देश में जल-प्रलय ला सकती है। बाबा जी का सीधा संदेशः 'हिमालय को बचाना है तो इसे छेड़ना बंद करो। प्रकृति को उसके हाल पर रहने दो, वरना संतुलन बनाने के लिए जब प्रकृति उठेगी, तो कोई कंक्रीट का ढांचा उसे रोक नहीं पाएगा।' पर्यटक नहीं, साधक बनो! यदि आप पहाड़ों पर केवल फोटो खींचने, रील बनाने या शोर मचाने आ रहे हैं, तो आप अनर्थ कर रहे हैं। हिमालय वेज्वल उन्हें अपनाता है जो 'साधक' बनकर आते हैं। आओ तोःमौन लेकर आओ। आओ तोःध्यान लेकर आओ। आओ तोः महादेव से जुड़ने की तड़प लेकर आओ। 'अपने भीतर के पर्यटक को घर पर छोड़कर आओ, तभी हिमालय तुम्हें स्वीकार करेगा।' गुप्त संतों की भूमि और आध्यात्मिक रहस्य-हिमालय की गुफाओं में आज भी ऐसे 'सिद्ध महापुरुष' और 'गुप्त सन्त' निवास करते हैं जिनकी दिव्य ऊर्जा से यह संसार टिका हुआ है। ये संत भीड़ से दूर, शून्य के तापमान में मानवता के कल्याण के लिए तप कर रहे हैं। जब हम इन पहाड़ों की पवित्रता भंग करते हैं, तो हम उस दिव्य सुरक्षा कवच को तोड़ते हैं। हमारा संकल्पः तपोभूमि की रक्षा यह लेख केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जागने के लिए है। हमें संकल्प लेना होगा। 1. हिमालय को कचरा मुक्त रखेंगे। 2. व्यावसायिकरण का विरोध करेंगे। 3. इसे तपोभूमि की गरिमा देंगे, मनोरंजन की वस्तु नहीं। निष्कर्षः आपके भीतर भी एक हिमालय है! जिस महादेव को आप बाहर खोज रहे हैं, वे आपके भीतर के एकांत में हैं। हिमालय वह आईना है जो आपको आपसे मिलाता है। इसे बचाना ही मानवता को बचाना है। महादेव दास बाबा जी का अंतिम आह्वान 'हिमालय को तपोभूमि रहने दो, तभी यह तुम्हें जीवन देगा। यदि यह केवल मनोरंजन का अड्डा बना रहा, तो याद रखना–प्रलय दूर नहीं है।'इस संदेश को दबाएं नहीं, फैलाएं! यह केवल एक पोस्ट नहीं, एक ङआंदोलनङ है। अगर आप हिमालय से प्रेम करते हैं और महादेव के भक्त हैं, तो इसे दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाएं ताकि सोई हुई मानवता जाग सके।

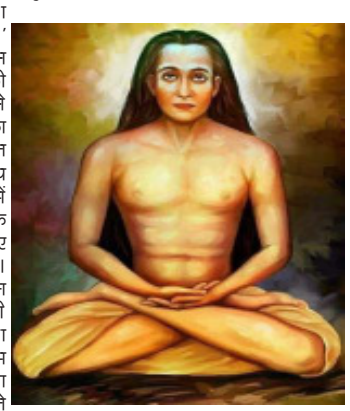

गुरुकुलों में बच्चों को 4 बजे उठा देते हैं, जबकि हम घर में 'स्लीप कॉप' बने रहते हैं

1960 के दशक में तमिलनाडु में नानाजी के गांव में बिताई गर्मी की छुट्टियां असल में समर क्लासेस ही होती थीं। आमतौर पर हमें सुबह 4 से 4.30 बजे के बीच जगा कर सभी भाई-बहनों को कोई काम दिया जाता था। जैसे, सबसे बड़ा बच्चा कुएं से पानी निकालकर बैकयार्ड में रखे 'हुंडा' नाम के बर्तनों को भरेगा, जबकि छोटे बच्चे बड़ों की मदद करेंगे। बच्चों के लिए चाय-कॉफी नहीं होती थी। हमेशा रागी का दलिया मिलता था। इससे पेट इतना भरा महसूस होता कि 10 बजे लंच होने तक कुछ और खाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। 4.30 से 10 बजे के बीच बच्चों को कुएं के ठंडे पानी से नहाना होता था। फिर मंदिर जाकर आसपास की सफाई, हाथ-पैर धोकर नाना के साथ श्लोक बोलना, पुजारी से मिला गरम-गरम प्रसाद खाना और घर लौटते वक्त बाजार से नानी के लिए खाना पकाने का कुछ सामान लाना होता था। घर पहुंचकर इडली-डोसा के लिए 'गन पाउडर' जैसे मसाले कूटने में नानी की मदद करते। अपने कपड़े तह करके सूटकेस में जमाते, ताकि ताजा धुले कपड़ों के लिए रस्सी पर जगह बन सके। ये कुछ रोजमर्रा के काम थे, जो लंच से पहले पूरे करने होते थे।इसके बाद हमें आध्यात्मिक किताबें पढ़नी होती थीं, जहां हमारे संस्कृत उच्चारण की जांच होती थी। अर्थ पूछे जाते थे और क्विज तक भी होते थे। नानाजी पूछते थे कि 'वेद दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक ग्रंथ हैं, इन्हें किसने संकलित किया?' हम जवाब नहीं दे पाते तो वे विकल्प देते थे, जैसे 'विश्वामित्र, व्यास, वाल्मीकि और वशिष्ठ।' हम फिर भी चुप रहते तो वे न सिर्फ सही जवाब (व्यास) बताते, बल्कि पूरी कहानी भी सुनाते थे- ताकि हम कभी भूलें नहीं। वे बताते कि पहले कैसे वेद ही एकमात्र ज्ञान के स्रोत थे और कैसे वेदव्यास ने उन्हें चार भागों में बांटा। नानीजी भी थोड़ी देर के लिए रसोई बंद करने के बाद हमारे साथ बैठतीं और फिर खेल शुरू होते थे। दोपहर में बड़े लोग कॉफी पीते, जबकि बच्चे बैकयार्ड से नारियल लाकर उसके पानी और फिर बचे नारियल का लुत्फ उठाते थे। शाम को फिर मंदिर जाना, आरती करना और शाम 7 बजे से पहले घर लौट कर भोजन करना होता था। फिर नानाजी के साथ कहानी सुनने का समय होता था। सामान्यतः 8.30 बजे तक गांव में शांति हो जाती और सभी गहरी नींद में सो जाते थे। हमारा घर किसी गुरुकुल से कम नहीं था, जहां बच्चे जल्दी उठते, पढ़ाई करते, घर के काम में हाथ बंटाते थे- फिर भी सोने तक उनमें उत्साह बना रहता होगा। अब 2026 पर आते हैं। अगर आप टीनेजर्स के पैरेंट्स हैं तो सोने का वक्त घर में जंग का मैदान बन सकता है।

आधुनिक पैरेंट्स 'स्लीप कॉप', या कहें 'बैडटाइम कॉप' बन जाते हैं- क्योंकि हर पैरेंट्स को चिंता रहती है कि बच्चे ठीक से सो तो रहे हैं या अगले दिन स्कूल/कॉलेज के लिए थक तो नहीं जाएंगे। हम जानते हैं कि हम उन्हें विफलता की दिशा में धकेल रहे हैं, फिर भी हम उन्हें बिस्तर पर जाने को कहते हैं, जबकि उनका शरीर नींद के लिए तैयार ही नहीं होता। सरलता से कहें तो हम बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे नेचरल बॉडी क्लॉक को नजरअंदाज कर दें। तो पैरेंट्स क्या कर सकते हैं? बच्चों को आराम का नियमित समय तय करने के लिए प्रोत्साहित करें। प्री-स्लीप एक्टिविटीज करें, जिनमें स्क्रीन शामिल न हो। इस बारे में व्यावहारिक उम्मीदें रखें कि उनका शरीर सोने के लिए कब तैयार होता है। ऐसे एप्स भी हैं, जो युवाओं को नींद और बॉडी क्लॉक के लिए पर्सनलाइज्ड-प्लान बनाने में गाइड करते हैं। धीरे-धीरे ऐसी गतिविधियां बढ़ाएं, जो सोने और जागने का समय स्थिर करने में उनकी मदद करें और नींद की अवधि बढ़ाएं। फंडा यह है कि कम से कम इस गर्मी की छुट्टी अपने घर में गुरुकुल जैसी जीवनशैली अपनाएं, ताकि आपको शेष पूरे साल 'स्लीप कॉप' न बनना पड़े। एन. रघुरामन

राजनीतिक धारणाओं के उलट कहीं जुड़ा हुआ है देश

जो बात विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व से शुरू हुई थी, उसने अब एक कहीं अधिक विवादास्पद प्रश्न को सामने ला खड़ा किया है। इसके साथ ही वह चिंता भी फिर से सिर उठाने लगी है, जिसे भारत लंबे समय से संतुलित करने की कोशिश करता रहा है : उत्तर और दक्षिण में विभेद! तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी है कि यदि दक्षिणी राज्यों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई कदम उठाया गया, तो अभूतपूर्व आंदोलन भड़क सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भी इसी तरह की बात कही है। क्या ये राजनीतिक अतिशयोक्तियां हैं? या किसी गहरी संरचनात्मक चिंता का संकेत? असहज कर देने वाला उत्तर है : दोनों। संख्याओं से शुरुआत करें। पिछले पांच दशकों में उत्तरी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि, दक्षिण की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार नियोजन में निवेश किया, जिससे उनकी जनसंख्या-वृद्धि समय रहते स्थिर हो गई। हिंदी पट्टी का बड़ा हिस्सा इस प्रक्रिया में पीछे रह गया। यदि निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण सख्ती से जनसंख्या के आधार पर किया जाता है- जैसा कि संविधान में परिकल्पित है- तो 2026 की जनगणना के बाद लोकसभा में दक्षिण की हिस्सेदारी घटना लगभग तय है। यही जनसांख्यिकीय वास्तविकता भी है। लेकिन परिसीमन अवैध नहीं है। यह समान प्रतिनिधित्व के लोकतांत्रिक सिद्धांत- एक व्यक्ति, एक वोट- पर आधारित है। संसदीय सीटों की संख्या की फ्रीजिंग हमेशा से अस्थायी समझौता था, कोई स्थायी व्यवस्था नहीं। देर-सबेर, प्रतिनिधित्व को जनसंख्या में आए बदलावों के अनुरूप होना ही था। वास्तविक समस्या कहीं और है : राजनीति में, और विश्वास में। जब गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा सीटों में राज्यों के बीच 50 प्रतिशत की समान वृद्धि का विचार रखा, तो वह एक व्यावहारिक समझौते की आधारशिला बन सकता था। यह कि कुछ ऐसी व्यवस्था की जाए कि किसी क्षेत्र को निरपेक्ष रूप से नुकसान न हो। लेकिन यह प्रस्ताव देरी से आया और प्रतिक्रियात्मक लगा। जबकि इतने बड़े फैसले में सहमति और विश्वसनीयता, सभी तक धैर्यपूर्वक पहुंच बनाकर ही निर्मित होती है। यदि पहले से सभी दलों के साथ परामर्श- विभिन्न क्षेत्रों के मुख्यमंत्रियों को शामिल करते हुए किया गया होता, तो विश्वास और साझा भागीदारी का माहौल बन सकता था। इसके बजाय, अभी तो यह धारणा उभरती है कि फैसले पहले तय किए गए और बाद में उनकी रूपरेखा प्रस्तुत की गई। संघीय व्यवस्था में धारणा की बड़ी ताकत होती है। एकतरफा निर्णयों की धारणा दक्षिण की इस गहरी चिंता को और बढ़ाती है कि संख्यात्मक रूप से प्रभावशाली उत्तर भारत समय के साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को अपने हिसाब से ढाल सकता है। फिर भी, इसे उत्तर बनाम दक्षिण के एक सरलीकृत द्वैत में समेट देना कोई बहुत चुस्त विश्लेषण नहीं होगा। जहां एक ओर दक्षिण राजनीतिक हाशिये पर जाने की आशंका से चिंतित है, वहीं दूसरी ओर उसने चुपचाप अन्य क्षेत्रों में अपना प्रभाव मजबूत किया है। आर्थिक रूप से, दक्षिणी राज्य भारत के विकास के इंजन हैं- वे जीडीपी, निर्यात और कर-राजस्व में अनुपातहीन रूप से अधिक योगदान देते हैं। बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहर वैश्विक इनोवेशन-नेटवर्कों से गहराई से जुड़े हुए हैं। यदि संसद जनसंख्या को प्रतिबिम्बित करती है, तो अर्थव्यवस्था बढ़ती हुई क्षमता को- और इस मोर्चे पर दक्षिण आगे है। सामाजिक संकेतक भी यही कहानी कहते हैं। साक्षरता, स्वास्थ्य सेवा और मानव विकास के मामलों में दक्षिण देश के बड़े हिस्से से लगातार बेहतर प्रदर्शन करता है। अब वह एक विरोधाभास का सामना कर रहा है : क्या उसे औरों से आगे निकलने का दंड अपनी राजनीतिक ताकत खोकर भुगतना चाहिए? भारत की वास्तविकता सुस्पष्ट क्षेत्रीय विभाजनों को स्वीकार नहीं करती। सांस्कृतिक और सामाजिक एकीकरण उन तरीकों से गहराता है, जिन्हें राजनीति अकसर नजरअंदाज कर देती है। उदाहरण के लिए, रांची के एमएस धोनी को चेन्नई में लगभग भक्तिभाव जैसा समर्थन मिलता है। या फिर आरआरआर जैसी फिल्म अखिल भारतीय सफलता अर्जित करती है। इसमें माइग्रेशन के प्रवाह को भी जोड़ दें- दक्षिण के तकनीकी केंद्रों में उत्तर भारतीय और उत्तर में काम करने वाले दक्षिण भारतीय पेशेवर- तो जो तस्वीर उभरती है, वह उस भारत की है, जो राजनीतिक धारणाओं के उलट कहीं अधिक परस्पर जुड़ा हुआ है। क्या हम जनप्रतिनिधित्व का ऐसा कोई हाइब्रिड मॉडल नहीं विकसित कर सकते, जो जनसंख्या के साथ-साथ किसी राज्य की परफॉर्मेंस, उसके राजकोषीय योगदान या उसके मानव-विकास को भी स्वीकार करे? (ये लेखक के अपने विचार हैं राजदीप सरदेसाई)

नवनीत गुर्जर का कॉलमःबंगाल में चुनाव और होर्मुज में महाभारत!

बंगाल में चुनाव हैं और होर्मुज में महाभारत। ममता बनर्जी मान नहीं रही हैं। भाजपा पूरा जोर लगा रही है। उधर होर्मुज (जलडमरूमध्य) में न ईरान हार मानने को तैयार है, न अमेरिका। इजराइल और ईरान के झगड़े में अमेरिका को बहुत कुछ मिल नहीं पा रहा है। वैसे ही जैसे बंगाल में ममता और भाजपा के बीच कांग्रेस फांके मार रही है। जिस बंगाल में कभी कांग्रेस की तूती बोलती थी, आज वहां उसका कोई नामलेवा नहीं है। ऊपर से चुनाव के वक्त कुछ नेता हमेशा ऐसा कुछ कर बैठते हैं, जिसके कारण पार्टी का पलीता निकल जाता है। अभी हाल ही में कांग्रेस के एक शीर्ष नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कह डाला। हालांकि बाद में सफाई भी दे दी। पलट भी गए। लेकिन ऐसे बयान देना ही क्यों कि बाद में पछताना पड़े? सफाई देनी पड़े? खैर, कांग्रेस ही क्यों, ऐसे बयानवीर बाकी पार्टियों में भी हैं। भाजपा में तो भरमार है। दरअसल, पार्टियां जब तक ऐसे बयानों पर खुद अंकुश नहीं लगाएंगी, यह सब होता रहेगा। बयानों में तो ट्रम्प महाराज का भी कोई जवाब नहीं। एक दिन कुछ कहते हैं। दूसरे दिन पलट जाते हैं। फिर और कुछ कह देते हैं। कहते हैं ईरान में पूरी नस्ल को ही मिटा देंगे। क्यों भाई? ऐसा क्या हो गया है? बातचीत आप करना नहीं चाहते। केवल बातचीत का ढोंग करते रहते हैं! बातचीत की जगह भी चुनी तो पाकिस्तान। जो खुद ही सबसे बड़ा पलटू राम है। राम मिलाई जोड़ी, एक काणा एक कोढ़ी! अब आते हैं वापस बंगाल चुनाव पर। यहां यकीनन भाजपा अप्रत्याशित रूप से मजबूत होती जा रही है। जीतेगी या नहीं, यह तो अभी से नहीं कहा जा सकता लेकिन पहले से ज्यादा सीटें मिलने की गुंजाइश पूरी तरह बनी हुई है। ममता की दिक्कत यह है कि जिस वामपंथ की दादागीरी को मुद्दा बनाकर वे सत्ता में आई थीं, वही सब उनकी तृणमूल कांग्रेस ने भी किया। उसके कार्यकर्ताओं की दादागीरी, गुंडागर्दी जगजाहिर है।लोगों को घरों से निकालकर बेटे के माथे पर हाथ रखकर कसम खिलाना कि वोट तृणमूल को ही देंगे, जो वाकई कभी तृणमूल को वोट नहीं देते उनमें से ज्यादातर को पोलिंग बूथ तक पहुंचने ही नहीं देना, गली में खड़ी गाड़ी का किराया वसूलना, यह सब तृणमूल कार्यकर्ताओं के लिए सामान्य बात है। मुस्लिम बहुल इलाकों में तो तृणमूल का सिक्का चलता है। वहां बूथ तक पहुंचना आम आदमी के बस की बात नहीं है। कोई पहुंच भी जाए तो तृणमूल वाले उसे अच्छी तरह समझ लेते हैं या समझा देते हैं। वैसे बंगाल का मूल स्वभाव सत्ता विरोधी है। ज्यादातर लोग यहां विपक्ष में, विरोध में बैठे नजर आते हैं। लेकिन चुनाव और सरकारों के मामले में यह स्वभाव कहां चला जाता है, पता नहीं। वर्षों यहां वामपंथियों ने एकछत्र राज किया। अभी 2011 से ममता निष्कंटक राज कर रही हैं। कोई विरोध नजर नहीं आया। पहले कांग्रेस थी और कोई नहीं था। कांग्रेस का झंडा भी कभी ममता ने ही उठा रखा था। फिर उन्होंने खुद की पार्टी बना ली। केंद्र में भाजपा सरकार का समर्थन भी किया, लेकिन अब वे भाजपा की धुर विरोधी बन चुकी हैं। खैर, राजनीति में, खासकर क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय पार्टी का विरोध करना ही पड़ता है। करते रहे भी हैं। बात सिर्फ निष्पक्ष चुनाव की है। अगर बंगाल में निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो चुनाव परिणाम कुछ और ही हो सकते हैं। चुनाव आयोग और केंद्रीय सत्ता ठान ले तो यह संभव हो सकता है लेकिन कोई क्यों यह नहीं कर पा रहा है, पता नहीं। ममता को एक राज्य में बनाए रखने के लिए भी इस तरह की राजनीति हो सकती है, क्योंकि वही हैं जो राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को गांठती नही हैं। भाव ही नहीं देतीं। जब भी एकजुट विपक्ष की बात चलती है, ममता ही हैं, जो सारा ताना-बाना बिगाड़ देती हैं। अकेले बंगाल में राज करती हैं, फिर भी उनके पास लोकसभा सीटों की कमी नहीं होती और राज्य में तो सत्ता है ही। केंद्रीय मशीनरी के लोगों, अफसरों को तो कोलकाता से वे ऐसे खदेड़ती हैं, जैसे कोई जानवर उनके चौके में घुस आया हो! ममता को एक राज्य में बनाए रखने के लिए भी इस तरह की राजनीति हो सकती है। वही हैं जो राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को गांठती नही हैं। भाव ही नहीं देतीं। जब भी एकजुट विपक्ष की बात चलती है, ताना-बाना बिगाड़ देती हैं। खैर, इस बार बंगाल में टक्कर कांटे की है। अभी 29 अप्रैल को मतदान का आखिरी चरण है। 4 मई को चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि कौन कांटा है और कौन फूल!

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर फिर अत्याचार, नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण, मुस्लिम युवक से कराया निकाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक नाबालिग हिंदू लड़की की पहचान छीन ली गई और उसे ऐसी जिंदगी जीने के लिए मजबूर किया गया, जिसे उसने कभी नहीं चुना। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार की पीड़ा विभिन्न अल्पसंख्यक संगठनों के बीच साझा की गई है। इससे सिंध में हिंदू लड़कियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी ने कहा कि पाकिस्तान में जबरन धर्म परिवर्तन की घटनाएं कोई अलग-थलग मामला नहीं हैं। खासकर सिंध में यह एक गंभीर और लगातार बनी रहने वाली समस्या है, जहां हिंदू परिवार अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर हमेशा भय में जीते हैं। संगठन ने कहा कि ऐसे मामलों में अक्सर विरोधाभासी बयान सामने आते हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती है।

लड़की के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और शादी का मामला सामने आया है। अल्पसंख्यक अधिकार संगठन वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी ने इस मामले की निंदा की है। संगठन ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि हिंदू लड़कियों के साथ लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। इनको रोका जाना चाहिए। संगठन के मुताबिक, 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली पूजा का कथित तौर पर अपहरण कर उसे जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। उसका नाम बदलकर दुआ फातिमा रखा गया और उसकी शादी इमरान अली से करा दी गई। संगठन ने इसे 'क्रूरता' बताते हुए कहा कि इससे अदालतों में लड़कियों की ओर से 'स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन' का दावा किया जाता है, जबकि परिवार अपहरण और दबाव की बात करते हैं। हालांकि इस मामले में अभी तक पुलिस या अदालत की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। संगठन ने कहा कि आमतौर पर ऐसे मामलों में उम्र और सहमति की जांच होती है लेकिन परिस्थितियां अक्सर पीड़ित पक्ष के खिलाफ होती हैं। मानवाधिकार संगठनों ने सिंध में बढ़ते अपहरण, बाल विवाह और जबरन धर्म परिवर्तन को कानून का उल्लंघन कहा है। संगठन ने मांग की है कि मामले की पारदर्शी जांच हो, पीड़ितों के लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं और ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

बंगाल में वोटिंग का नया रिकॉर्ड,पहले फेज में 90फीसदी मतदान,ममता बोलीं- एसआईआर के विरोध में बंपर वोटिंग,तमिलनाडु के इतिहास में सबसे ज्यादा 82फीसदी वोट पड़े

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल में फर्स्ट फेज में रिकॉर्ड वोटिंग दर्ज की गई है। शाम 5 बजे तक 152 सीटों पर 89.93फीसदी वोटिंग हुई। वहीं तमिलनाडु की 234 सीटों पर शाम 5 बजे तक ही इतिहास में सबसे ज्यादा 84फीसदी वोट पड़े हैं। दोनों राज्यों मे शाम 6 बजे तक वोटिंग होनी है। बंगाल में वोटिंग के आंकड़े सामने आने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य की जनता ने एसआईआर के विरोध में बंपर वोटिंग की है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। इधर, बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। अग्निमित्रा ने हीरापुर पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है। बंगाल में कई अन्य जगहों पर बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं। कई जगह ईवीएम खराब होने की शिकायत भी आई हैं। बीरभूम के बोधपुर गांव में ईवीएम खराब होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मुर्शिदाबाद के नौदा में वोटिंग से पहले बुधवार देर रात देसी बम फेंका गया था। इसमें कई लोग घायल हो गए थे। इसके बाद आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे तो उनका विरोध हुआ। इसके बाद वे धरने पर बैठ गए। उन्होंने एक न्यूज़ पोर्टल को बताया 'पुलिस टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ गुंडागर्दी कर रही है। हमारे समर्थकों के साथ मारपीट की जा रही है।' पुलिस ने नौदा मामले में एफआईआर दर्ज की है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सिलीगुड़ी में भी वोटिंग के दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। वहीं मालदा के एक बूथ पर ईवीएम खराब होने से हंगामा हो गया। लोगों ने चुनाव अधिकारी को घेर लिया और आपत्ति जताई। इस बीच पूरे राज्य में सुबह से पोलिंग बूथ पर लंबी कतारें दिख रही हैं। यहां महिलाओं की संख्या ज्यादा है। ऐसा ही हाल तमिलनाडु में देखा जा रहा है। बंगाल में मुख्य मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच है। यहां के बूथों पर वेबकास्टिंग (लाइव मॉनीटरिंग) के जरिए चुनाव आयोग निगरानी कर रहा है। राज्य की बाकी 142 सीटों पर दूसरे फेज में 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। नतीजा 4 मई को आएगा।बीरभूम के बोधपुर गांव में लोगों पर सेंट्रल फोर्स पर हमला करने का आरोप है। यहां के पोलिंग बूथ पर ईवीएम खराब होने के बाद वोटर्स और पुलिस के बीच बहस हो गई। इसके बाद लोगों ने सेंट्रल फोर्स पर पथराव किया और पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। घटना में सेंट्रल फोर्स के जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। पश्चिम बर्दवान जिले की कुल्टी विधानसभा में बूथ नंबर 245 में ईवीएम में खराबी के कारण करीब 2 घंटे तक वोटिंग प्रभावित रही। इससे जनता को भी परेशान हुई। इसके बाद यहां से बीजेपी विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार बूथ पर पहुंचे।

पाक से मिले गैंग को ऑर्डर, हर अकाउंट पर कमीशन,साइबर ठग इंजीनियरिंग का स्टूडेंट

कोटा। कोटा में साइबर ठगी नेटवर्क का पाकिस्तानी कनेक्शन भी मिला है। नेटवर्क का सरगना मोहम्मद अमजद पाकिस्तान हैंडलर से ऑर्डर ले रहा था। अमजद (21) इंजीनियरिंग स्टूडेंट है और करीब डेढ़ साल से ठगी नेटवर्क से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार अमजद के तीन साथी उसे बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाते थे। इसके लिए उन्हें कमीशन मिलता था। इन अकाउंट्स में ठगी का पैसा ट्रांसफर किया जाता था। दरअसल, कोटा के विज्ञान नगर थाने में 8 दिसंबर 2025 को 43 लाख 50 हजार की ठगी को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद से पुलिस मामले की जांच कर रही थी। पुलिस ने 16 अप्रैल को अमजद और उसके तीन साथियों को भोपाल से पकड़ा था। साइबर थाना एसएचओ सतीशचंद्र ने बताया- आरोपी पिछले तीन साल से भोपाल में रह रहा था। आरोपी मध्य प्रदेश के सागर जिले के प्राइवेट कॉलेज से बीटेक कर रहा है। उसने सबसे पहले आसपास रहने वाले और काम करने वाले मजदूरों को टारगेट किया। उनके बैंक अकाउंट का इस्तेमाल ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में किया गया।अमजद अपने तीन साथियों दीपक, राहुल व विजय के साथ पूरा नेटवर्क चला रहा था। हर मेंबर को एक अकाउंट उपलब्ध कराने के बदले 7 हजार रुपए देता था। आरोपी अकाउंट के साथ अकाउंट नंबर से जुड़ी सिम, एटीएम, बैंक पासबुक (पूरी किट) भी लेता था। फिर काम होने पर खाताधारक को लौटा देता।

जांच टीम को ऐसे 50 से ज्यादा अकाउंट के बारे में पता लगा है। इनके जरिए ठगी की रकम यूपीआई व कैश डिपॉजिट से ट्रांसफर करवाई गई थी।

इसके बाद अमजद और उसका पाकिस्तानी हैंडलर इन अकाउंट्स से पैसों को खुद के और दूसरे अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कर लेते थे।

अमजाद के भी 5 अकाउंट-शुरुआती जांच में पुलिस को इंडिया में ऑपरेट हो रहे ऐसे 5 अकाउंट का पता लगा। आरोपी ठगी की रकम को ठिकाने लगाने में खुद के अकाउंट भी यूज करता था।

पुलिस इन अकाउंट की डिटेल खंगाल रही है। शुरुआत जांच में आरोपी के अकाउंट में 10 लाख रूपए जमा होने की बात सामने आई है।

आरोपी ने सबसे पहले भोपाल निवासी 80 साल के बुजुर्ग का अकाउंट यूज किया। जो उसके आसपास ही रहता था। इसके बदले आरोपी को कमीशन मिला। आरोपी के पास से 9 महंगे मोबाइल बरामद किए गए हैं। इनमें 2 आईफोन है।

एक एपल कंपनी का लैपटॉप, गूगल पे स्कैनर, 29 एटीएम कार्ड, 13 बैंक पासबुक, अकाउंट ओपनिंग फॉर्म और 2 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं।

अमेरिकी अगर जंग चाहते हैं, तो जंग होगी ईरान ने बातचीत के लिए रखी शर्त, डोनाल्ड ट्रंप को दिया अल्टीमेटम

तेहरान। ईरान ने कहा है कि वह इस्लामाबाद में शांति वार्ता के लिए तभी तैयार होगा, जब अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म कर दे। ईरान इसे सीजफायर उल्लंघन और एक्ट ऑफ वार करार दिया है। हालांकि, इस बीच ईरानी प्रतिनिधिमंडल के पाकिस्तान न पहुंचने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर को एकतरफा तरीके से बढ़ा दिया है। यह घोषणा तब की गई है, जब आठ अप्रैल को घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम कुछ ही घंटों में समाप्त होने वाला था। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा भी प्रभावी रूप से टल गई, जहां ईरानी प्रतिनिधियों के साथ शांति वार्ता प्रस्तावित थी। ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिका के साथ होने वाली दूसरे चरण की शांति वार्ता में शामिल होने के लिए एक शर्त रखी है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूत अमीर सईद इरावानी ने कहा है कि बातचीत पाकिस्तान की राजधानी में तभी होगी, जब अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी खत्म कर देगा। उनकी यह बयान तब आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस उम्मीद के साथ सीजफायर बढ़ाया है कि तेहरान इस संघर्ष को हमेशा के लिए खत्म करने का प्रस्ताव देगा। ईरानी दूत ने कहा कि अमेरिका को सीजफायर के उल्लंघन तुरंत रोकना चाहिए। 10 दिन का यह सीज़फ़ायर 22 अप्रैल को खत्म होने वाला था। ईरानी मीडिया न्यूज एजेंसी के साथ बातचीत में इरावानी ने कहा, 'जैसे ही अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करेगा, मुझे लगता है कि बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा।' 'बातचीत के किसी भी नए दौर से पहले अमेरिका को 'सीजफायर के उल्लंघन' को रोकना होगा। हमने सैन्य आक्रामकता की शुरुआत नहीं की है। अगर वे राजनीतिक समाधान चाहते हैं, तो हम तैयार हैं। अगर वे युद्ध चाहते हैं, तो ईरान उसके लिए भी तैयार है... जब ऐसा होगा, तो बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा।' वहीं, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबफ के वरिष्ठ सलाहकार महदी मोहम्मदी ने अमेरिका का मजाक उड़ाते हुए कहा कि सीजफायर बढ़ाने का कोई 'मतलब नहीं' है, क्योंकि 'हारने वाला पक्ष अपनी शर्तें नहीं थोप सकता।' उन्होंने सी ज़फ़ायर बढ़ाने को 'अचानक हमला करने के लिए समय निकालने' की एक चाल बताया। अब्बास अराघची, ईरान के विदेश मंत्री-'ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी युद्ध की कार्रवाई है और युद्धविराम का उल्लंघन है। किसी वाणिज्यिक जहाज पर हमला करना और उसके चालक दल को बंधक बनाना इससे भी बड़ा उल्लंघन है। ईरान जानता है कि प्रतिबंधों को कैसे निष्प्रभावी करना है, अपने हितों की रक्षा कैसे करनी है और दबाव व धमकी का मुकाबला कैसे करना है।'

ओडिशा में गर्मी के चलते दोपहर में जनगणना रोकी गई,राजस्थान-यूपी में सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा

नयी दिल्ली। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40से. से 45से. के बीच बना हुआ है। महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6से. तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। वहीं देश के 16 शहरों में पारा 43से. से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। हीटवेव को देखते हुए ओडिशा सरकार ने दोपहर के समय जनगणना प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। यानी फील्ड स्टाफ सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के दौरान सड़कों पर नहीं भटकेंगे। राजस्थान और यूपी में ठंडक के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा है। बीकानेर, ग्वालियर के जू में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं।इधर, दिल्ली के स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम लागू किया जाएगा। हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजाई जाएगी, ताकि छात्रों को पानी पीने की याद दिलाई जा सके और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। 24 अप्रैल-गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम होगा। तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बिजली गिरने की संभावना है। 25 अप्रैल-राज्यों आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है। पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में आंधी-बारिश, महाराष्ट्र-कर्नाटक में ओले गिरने का अलर्ट देश के पूर्वोत्तर में सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी बारिश का अलर्ट है। तटीय कोंकण और गोवा के अलावा तेलंगाना में आंधी-बारिश के साथ उमस भरा मौसम रहेगा। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में ओले गिरने का अलर्ट है। वहीं प्रदेश की बात करे तो प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं।

गुरुवार को 32 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट है। अगले 3 दिन यानी 25 अप्रैल तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। पारा 45से. के पार पहुंच सकता है। पिछले 24 घंटे में बांदा सबसे गर्म रहा। यहां दिन में पारा 44.2से. पहुंच गया।

रॉन्ग साइड चलने वाले 40 वाहनों का चालान, दो मॉडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई

एसपी अभिषेक वर्मा के निर्देशन में यातायात पुलिस का सघन अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी के नेतृत्व में गुरुवार को जनपद में यातायात नियमों के अनुपालन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में उमर्रा एवं धर्मशाला चौराहे पर परिवहन विभाग के पीटीओ मनोज गुप्ता एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान रॉन्ग साइड चलने वाले 40 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही दो मॉडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से अवैध हूटर उतरवाए गए तथा संबंधित वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। इस दौरान टीएसआई भरत राय, गुफरान, बबलू कुमार, जमील खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि यातायात नियमों का पालन करना सभी के लिए आवश्यक है और जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य चौराहों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लोगों को हेल्मेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, रॉन्ग साइड न चलने और ओवरस्पीड न चलने के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

शाह बोले-ममता के गुंडो को उल्टा लटका कर सीधा करेंगे,कांग्रेस ने कहा- कार्रवाई दुर्भावना से प्रेरित

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बंगाल के आरामबाग में चुनावी रैली में कहा कि मैं दीदी (ममता बनर्जी) के गुंडों को चेतावनी देता हूं कि वे 29 तारीख को अपने घरों से बाहर नहीं निकलें। अगर वोटिंग के दिन आरामबाग के लोगों को परेशान किया गया, तो 5 तारीख के बाद उन्हें उल्टा लटका कर सबक सिखाने का काम करेंगे। इधर, कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आतंकवादी बयान पर चुनाव आयोग को जवाब दिया है। पार्टी ने कहा कि इस मामले में न तो मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन हुआ है और न ही किसी कानून का। कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग का नोटिस दुर्भावना से प्रेरित है। इसे बिना सही जांच के जारी किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में कहा कि पार्टी को एक ही नंबर के दो अलग-अलग नोटिस मिले, जिन पर अलग-अलग अधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को रिकॉर्ड वोटिंग हुई। बंगाल की 294 में से 152 सीटों पर पहले फेज में 92.72फीसदी मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14फीसदी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग के एक नोटिस में शिकायतकर्ता के तौर पर टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन का नाम है, जबकि दूसरे नोटिस में यह नाम हटा दिया गया है। इससे आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस ने यह भी आपत्ति जताई कि जवाब देने के लिए सिर्फ 24 घंटे का समय दिया गया, जो चुनावी व्यस्तता के बीच पर्याप्त नहीं है। पार्टी ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। लेटर में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयानों को भी एमसीसी का उल्लंघन बताया और कहा कि इन मामलों में चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस का कहना है कि आयोग का रवैया 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों के खिलाफ है। वह इस मामले में निष्पक्षता नहीं दिखा रहा। वोटिंग हुई। बंगाल चुनाव से जुड़े आज के बड़े अपडेट्स-गृह मंत्री अमित शाह आज कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे पर संबोधित करेंगे। बंगाल के कमरहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा- बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद, हम उन लोगों को सबक सिखाएंगे जिन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों पर हमला किया। चुनाव आयोग ने पोस्ट-पोल के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। पोलिंग बूथ पर लगे कैमरों के एसडी कार्ड मतदान खत्म होते ही नहीं निकाले जाएंगे। कैमरे को हटाने के बाद भी उसे सेक्टर ऑफिसर की निगरानी में रखा जाएगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव आयोग के एक नोटिस में शिकायतकर्ता के तौर पर टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन का नाम है, जबकि दूसरे नोटिस में यह नाम हटा दिया गया है। इससे आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस ने यह भी आपत्ति जताई कि जवाब देने के लिए सिर्फ 24 घंटे का समय दिया गया, जो चुनावी व्यस्तता के बीच पर्याप्त नहीं है।

पार्टी ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। लेटर में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयानों को भी एमसीसी का उल्लंघन बताया और कहा कि इन मामलों में चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस का कहना है कि आयोग का रवैया 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों के खिलाफ है। वह इस मामले में निष्पक्षता नहीं दिखा रहा।

सुकेश ने जैकलीन को जेल से लेटर लिखा,कहा- प्यार और जंग में सब जायज, एक्ट्रेस ने गवाह बनने की अर्जी दी थी

नयी दिल्ली। 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के अप्रूवर बनने के आवेदन के बीच आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से उन्हें फिर लेटर लिखा है। 21 अप्रैल को लिखे इस लेटर में सुकेश ने जैकलीन को बेबी बोम्मा और माय जैकी कहा। लेटर में उसने लिखा कि प्यार और जंग में सब जायज है और वह हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा, चाहे कुछ भी हो जाए। सुकेश ने अपने मैसेज में यह भी कहा कि तुम मेरी हो और मैं तुम्हारा हमेशा रहूंगा। उसने जैकलीन के लिए यह भी लिखा कि वह उन्हें बहुत याद करता है और यह रिश्ता उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। लेटर के अंत में उसने जेएसएफ फॉरएवर लिखते हुए खुद को बेबी बॉय बताया। धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में जेल में है सुकेश चंद्रशेखर धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में जेल में बंद है। सुकेश ने जेल से जैकलीन को अब तक एक दर्जन से अधिक लेटर भेजे हैं। वह लगभग हर खास मौके जैसे होली, ईस्टर, क्रिसमस, वैलेंटाइन डे, महिला दिवस और जन्मदिन पर लेटर लिखता रहा है।हाल ही में जैकलीन ने दिल्ली की अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अप्रूवर बनने का आवेदन दिया। इस पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 मई को स्पेशल जज प्रशांत शर्मा की अदालत में होगी। इस केस में जैकलीन से कई बार पूछताछ हो चुकी है। ईडी ने उन्हें सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आरोपी बनाया है। केस रद्द करने की उनकी पिछली अर्जी दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो गई थी। बता दें कि सुकेश पर आरोप है कि उसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की थी। ईडी की जांच में सामने आया था कि सुकेश ने ठगी के इन पैसों से जैकलीन को करोड़ों रुपए के कीमती गिफ्ट्स दिए थे। इसमें लग्जरी बैग, हीरे की ज्वेलरी, महंगे घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। इस वजह से ईडी ने जैकलीन को भी इस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया था। ईडी के मुताबिक, जैकलीन से दोस्ती हो जाने के बाद सुकेश ने उनके ऊपर 7 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर दिए थे। सुकेश ने जैकलीन को ये चीजें गिफ्ट की थीं...महंगी ज्वैलरी- चार पर्शियन बिल्लियां, 57 लाख रुपए का एक घोड़ा, बहरीन में रह रहे जैकलीन के पेरेंट्स को 1.89 करोड़ रुपए की दो गाड़ियां (पोर्श और मसेराटी) जैकलीन के भाई को एसयूवी जैकलीन की बहन को सवा करोड़ की बीएमडब्लू कार।

गर्मियों में पानी तो पिए लेकिन महिलाओं के लिए यूरिन रोकना खतरनाक,ब्लैडर को गंभीर नुकसान

बढ़ता इंफेक्शन का रिस्क,11 टिप्स टॉयलेट हाइजीन के

जयपुर। अक्सर महिलाएं काम की व्यस्तता, ट्रैफिक या गंदे पब्लिक टॉयलेट के डर से यूरिन लंबे समय तक रोककर रखती हैं। बार-बार ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो

सकता है। लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इससे मसल्स कमजोर होने और किडनी से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए सही टॉयलेट हाइजीन अपनाना जरूरी है। इसलिए जरूरत की खबर में जानेंगे कि- यूरिन रोकने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? इससे कौन से हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? कितनी देर तक यूरिन रोककर रखना सेफ है? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट: डॉ. मानिनी पटेल, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- जब कोई महिला बहुत देर तक यूरिन को होल्ड करके रखती है तो इससे शरीर में क्या होता है? जवाब- लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जैसेकि- ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर या ओवरस्ट्रेच हो सकती हैं। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का जोखिम बढ़ता है। पेट के निचले हिस्से में दर्द और बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है। सवाल- ज्यादा देर तक यूरिन होल्ड करने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? जवाब- ब्लैडर ज्यादा देर तक भरा रहने से उसकी मांसपेशियों और अंदरूनी लेयर पर लगातार दबाव पड़ता है। इससे संक्रमण व अन्य कॉम्प्लिकेशन का जोखिम बढ़ता है। 1. यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन -यूरिन ब्लैडर में ज्यादा देर तक रुकने से बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं। इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। 2. ब्लैडर पर दबाव- ब्लैडर बार-बार ओवर-स्ट्रेच होने से उसकी मसल्स कमजोर हो सकती हैं। आगे चलकर यूरिन कंट्रोल करने में दिक्कत या 'लीकेज' की प्रॉब्लम हो सकती है।

3. किडनी पर असर-ज्यादा देर तक पेशाब रोकने से प्रेशर ऊपर की ओर बढ़ सकता है। इससे किडनी इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है। लंबे समय में यह किडनी फंक्शन पर असर डाल सकता है। 4. ब्लैडर स्टोन (पथरी) यूरिन लंबे समय तक जमा रहने से मिनरल्स क्रिस्टल बनते हैं, जो स्टोन का रिस्क बढ़ा सकते हैं। इससे दर्द, यूरिन में ब्लड आना या रुक-रुक कर पेशाब आना जैसी हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। 5. पेल्विक फ्लोर डैमेज-बार-बार होल्ड करने से पेल्विक मसल्स की नेचुरल रिदम बिगड़ सकती है। आगे चलकर ब्लैडर कंट्रोल की समस्या हो सकती है। 6. दर्द और असहजता-पेट के निचले हिस्से में भारीपन या दर्द हो सकता है। कभी-कभी तेज दर्द के साथ अचानक यूरिन निकलने जैसी समस्या हो सकती है। सवाल- क्या देर तक यूरिन रोककर रखने से किडनी डैमेज हो सकती है?जवाब- हां, इससे किडनी से जुड़ी कई बीमारियां हो सकती हैं।

जैसेकि- हाइड्रोनेफ्रोसिस - ये एक ऐसी स्थिति है, जिसमें किडनी में सूजन हो जाती है। दरअसल यूरिन ठीक से बाहर नहीं निकल पाता और किडनी में ही जमा होने लगता है। पाइलोनअफ्राइटिस - किडनी का एक गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो आमतौर पर यूटीआई से शुरू होता है और फिर ऊपर बढ़कर किडनी तक पहुंच जाता है। सवाल- क्या प्रेग्नेंसी के दौरान यूरिन रोकना ज्यादा खतरनाक हो सकता है? जवाब- हां, इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। अगर ये इंफेक्शन किडनी तक पहुंच जाए तो प्री-मेच्यौर डिलीवरी का कारण भी बन सकता है। सवाल- कितनी देर तक यूरिन को रोककर रखना सेफ है? जवाब- यह व्यक्ति की उम्र, कितनी मात्रा में पानी या फ्लूइड लिया है और उसकी सेहत की स्थिति पर निर्भर करता है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के अनुसार, आमतौर पर हर 3-4 घंटे में यूरिन पास करना बेहतर माना जाता है। हालांकि जैसे ही यूरिन पास करने की जरूरत लगे तुरंत जाना बेहतर है। सवाल- क्या बार-बार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम होती है? जवाब- कभी-कभार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम नहीं होती। लेकिन लंबे समय तक लगातार ऐसा करने से ब्लैडर फंक्शन प्रभावित होता है। इससे संक्रमण या अन्य यूरिनरी प्रॉब्लम्स का जोखिम बढ़ जाता है। सवाल- सभी को आमतौर पर एक टॉयलेट हाइजीन फॉलो करना चाहिए? ये क्या है और इसमें कौन-कौन सी चीजें शामिल हैं? जवाब- अक्सर लोग जल्दबाजी या लापरवाही में हाइजीन से जुड़ी छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। इससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। हालांकि कुछ बेसिक टॉयलेट हाइजीन कई बीमारियों से बचाती हैं। इन आसान आदतों को अपनाकर यूरिन इंफेक्शन और अन्य समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। सवाल- क्या लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से भी ब्लैडर हेल्थ प्रभावित होती है? जवाब- हां, इससे ब्लैडर पर नेगेटिव असर पड़ता है।

पॉइंटर्स से समझिए-लंबे समय तक एक ही जगह बैठने से पेल्विक एरिया में ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इससे पेल्विक फ्लोर मसल्स कमजोर पड़ती हैं जो ब्लैडर और यूरेथ्रा (यूरिन बाहर निकलने का रास्ता) को सपोर्ट करती हैं। देर तक एक ही जगह बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। इससे किडनी स्टोन बनने का रिस्क भी बढ़ता है।

सवाल- यूरिन रोकने के अलावा हमारी रोजमर्रा की और कौन सी आदतें ब्लैडर हेल्थ को प्रभावित करती हैं? जवाब- खराब लाइफस्टाइल, डिहाइड्रेशन, क्रॉनिक डिजीज और खराब हाइजीन ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं।

सत्यजीत रे की 34वीं डेथ एनिवर्सरी,लोन लेकर बनाई पहली फिल्म,नेहरू की डॉक्यूमेंट्री बनाने से इनकार, मृत्यु शैया पर दी ऑस्कर स्पीच

मुंबई। एक फिल्ममेकर ने एक फिल्म बनाने की सोची, चूंकि उसमें न एक्शन था, न रोमांस, न गाने, इसलिए कोई भी प्रोड्यूसर पैसा लगाने के लिए राजी नहीं हुआ। तब उन्होंने फिल्म के लिए अपनी सेविंग, एलआईसी पॉलिसी और यहां तक कि बीवी के जेवर भी गिरवी रख दिए और किसी तरह शूटिंग शुरू की। लेकिन बीच में ही पैसे खत्म होने के चलते शूटिंग रुक गई, तब सरकार ने लोन समझकर फिल्म बनाने के लिए पैसा दिया। जिसके चलते फिल्म किसी तरह पूरी हुई। जब फिल्म रिलीज हुई, तो पहले दो हफ्तों में रिस्पॉन्स ठंडा रहा, लेकिन तीसरे हफ्ते से हर रोज फिल्म हाउसफुल होने लगी और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी इस फिल्म से बेहद प्रभावित हुए। फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड समेत इंटरनेशनल लेवल पर भी कई अवॉर्ड जीते और इंडियन सिनेमा को नई पहचान दी। यह फिल्म थी पाथेर पांचाली और फिल्ममेकर थे सत्यजीत रे। किस्सा-1 इटैलियन फिल्म देखकर फिल्ममेकिंग का फैसला किया। सत्यजीत रे का जन्म 2 मई 1921 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ। उनका परिवार साहित्य और कला से जुड़ा था। पिता सुकुमार रे फेमस लेखक और चित्रकार थे। रे जब वे बहुत छोटे थे, उनके पिता का निधन हो गया। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। पिता के निधन के बाद घर की सारी जिम्मेदारी मां पर आ गई। मां ने पूरे घर को संभाला, खर्च चलाया और साथ ही नौकरी भी की। रे ने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद शांतिनिकेतन में कला का अध्ययन किया था।सत्यजीत रे ने अपने करियर की शुरुआत एडवरटाइजिंग एजेंसी डी.जे. कीमर में ग्राफिक डिजाइनर के तौर पर की थी। उन्होंने बुक कवर डिजाइनर के तौर पर भी काम किया। उन्होंने नेहरू की डिस्कवरी ऑफ इंडिया समेत कई किताबों के कवर बनाए थे।इसी दौरान उन्हें फिल्मों में दिलचस्पी बढ़ने लगी। 1947 में उन्होंने साथियों के साथ मिलकर एक फिल्म सोसाइटी बनाई, जहां विदेशी फिल्में दिखाई जाती थीं। 1949 में उनकी मुलाकात फ्रेंच डायरेक्टर ज्यां रेनॉए से हुई, जिन्होंने उन्हें फिल्में बनाने के लिए प्रेरित किया। 1950 में वे एक काम के लिए लंदन गए। वहां उन्होंने कई फिल्में देखीं, लेकिन इटैलियन फिल्म बाइसिकल थीव्स का उन पर सबसे गहरा असर हुआ। इस फिल्म को देखने के बाद उन्होंने तय किया कि वे फिल्म डायरेक्टर बनेंगे। किस्सा-2 पहली फिल्म के लिए पत्नी के गहने गिरवी रखे-सत्यजीत रे के फिल्मी करियर की पहली फिल्म पाथेर पांचाली (1955) थी। यह फिल्म बंगाली लेखक विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय के उपन्यास पर आधारित थी। रे इस उपन्यास से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इस पर अपनी पहली फिल्म बनाने का फैसला किया। हालांकि, फिल्म बनाना आसान नहीं था। रे ने फिल्म के लिए नई और अनुभवहीन टीम बनाई। फिल्म में बड़े स्टार, गाने और एक्शन नहीं था, इसलिए कोई प्रोड्यूसर पैसा लगाने को तैयार नहीं था। उन्होंने पैसे जुटाने के लिए नौकरी जारी रखी, बीमा पॉलिसी गिरवी रखी। यहां तक अपनी पत्नी ने भी गहने गिरवी रखे। इस तरह लगभग

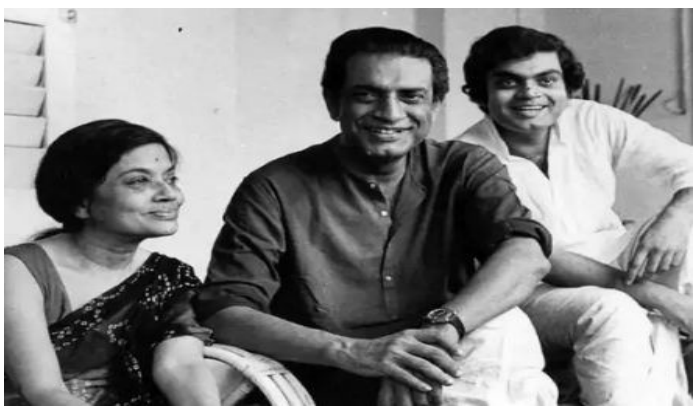

17,000 रुपए जुटाकर उन्होंने 1952 में फिल्म की शूटिंग शुरू की। शूटिंग के दौरान उन्हें कई तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने शुरुआत में 16एमएम कैमरे से शूट कर उसे 35स्स में बदलने का प्रयोग किया, ताकि खर्च कम हो, लेकिन प्रयोग असफल रहा। फुटेज सही नहीं आया और उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। एक और बड़ी लोकेशन समस्या थी। एक बार तो उन्होंने एक गांव चुना था, जहां फूलों के बीच ट्रेन का सीन शूट करना था, लेकिन दोबारा पहुंचने पर गाय-भैंसों ने सारे फूल खा लिए थे। पूरा सीन खराब हो गया। फिर शूटिंग के बीच में पैसे खत्म हो गए और शूटिंग लगभग एक साल के लिए रुक गई।

किस्सा-3 घर में बैठ गया उल्लू; सरकार से लोन मिल गया-सत्यजीत रे के पाथेर पंचाली बनाने के संघर्ष के दौरान एक बहुत ही दिलचस्प और रहस्यमयी घटना हुई, जिसका जिक्र उनकी किताब 'माई इयर्स विद अपू' में है। जैसा आपको बताया पैसे खत्म हो चुके थे और फिल्म की शूटिंग रुक चुकी थी। एक दिन सुबह जब रे जागे, तो उन्होंने अपने कमरे की खिड़की के बाहर एक सफेद-भूरा उल्लू बैठा था और लगातार उनकी तरफ देख रहा था। यह कोई सामान्य बात नहीं थी क्योंकि शहर में इस तरह का सीन बहुत कम देखने को मिलता है। धीरे-धीरे यह खबर आसपास के लोगों तक पहुंच गई। पड़ोसी अपने-अपने घरों से झांककर उस उल्लू को देखने लगे। कुछ लोग उसे भगाने की कोशिश कर रहे थे, कुछ उसे बुलाने के लिए आवाजें निकाल रहे थे, लेकिन सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि उल्लू बिल्कुल भी नहीं हिला, वह लगातार वहीं बैठा रहा और उसकी नजरें रे पर टिकी रहीं। भारतीय मान्यता के अनुसार, उल्लू को देवी लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। इसलिए लोग मानते हैं कि यदि उल्लू घर के पास दिखाई दे, तो यह धन और सौभाग्य का संकेत होता है। यही कारण था कि पड़ोसियों में उत्सुकता और थोड़ी ईर्ष्या भी थी। रे ने इस घटना को बड़े ध्यान से देखा। सबसे हैरानी की बात यह थी कि वह उल्लू लगातार दो हफ्तों तक वहीं बैठा रहा। हर सुबह जब रे उठते, तो वह उसी जगह, उसी तरह बैठा मिलता जैसे वह खास तौर पर उनके लिए ही आया हो। फिर एक दिन अचानक वह उल्लू गायब हो गया। कोई नहीं जानता कि वह कब और कैसे चला गया, लेकिन उसके जाने के कुछ समय बाद ही रे को एक बहुत अहम खबर मिली उन्हें पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. बी.सी. रॉय से मिलने का बुलावा आया। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सरकार ने उनकी फिल्म को गांव के विकास से जुड़ा समझकर लोन दिया था, जिससे शूटिंग पूरी हो सकी। इस तरह काफी दिक्कतों के बाद शूटिंग शुरू होने के बाद 3 साल बाद 1955 में फिल्म रिलीज हुई।

किस्सा-4 नेहरू ने फिल्म देखी और प्रभावित हुए-पाथेर पंचाली की शूटिंग तो हो गई, लेकिन शुरुआत में लोग फिल्म को रिलीज करने के लिए ज्यादा उत्साहित नहीं थे। फिल्म लगभग तीन महीने तक बिना रिलीज हुए पड़ी रही। जब इसे रिलीज किया गया, तो पहले दो हफ्तों में इसका प्रदर्शन खास नहीं रहा, लेकिन तीसरे हफ्ते से हर दिन हाउसफुल होने लगा। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने फिल्म देखी और बहुत प्रभावित हुए। फिल्म को पहले सिर्फ छह हफ्तों के लिए थिएटर मिला था, क्योंकि उतना ही समय उपलब्ध था। इन छह हफ्तों के बाद फिल्म को दूसरे थिएटर में लगाया गया, जहां यह सात हफ्तों तक और चली। यानी कुल 13 हफ्तों में सरकार ने अपनी पूरी लागत निकाल ली और उसके बाद जो भी कमाई हुई, वह मुनाफा थी। यह फिल्म अपू ट्राईलॉजी का पहला भाग थी, जिसके अन्य दो भाग अपराजितो (1956) और अपूर संसार (1959) थे। किस्सा-5 कंजिन से गुपचुप शादी की-सत्यजीत रे की मोहब्बत की कहानी भी काफी दिलचप्प रही है। उन्होंने अपनी फर्स्ट कजिन बिजोया दास से शादी की थी। बिजोया के पिता, सत्यजीत रे की मां के सौतेले बड़े भाई थे। बिजोया एक एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने शेष रक्षा, मशाल जैसी फिल्मों में काम किया था। बिजोया का बचपन पटना में बीता, लेकिन 1931 में, जब वह तेरह साल की थीं, उनके पिता की मौत हो गई और उन्हें, उनकी मां और बहनों को कलकत्ता में अपने मामा प्रशांत दास के घर आना पड़ा। यहीं उनकी और सत्यजीत की पहली मुलाकात हुई। फिर धीरे-धीरे दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। एक ही घर में रहते-रहते ये दोस्ती मोहब्बत में बदल गई, लेकिन दोनों ने अपने रिश्ते को लंबे वक्त तक सीक्रेट रखा। रे ने पहले रजिस्ट्री ऑफिस में शादी की सोची, लेकिन इसके लिए विजया की मां तैयार नहीं थी। आखिरकार दोनों ने अपने घरवालों को बिना बताए, बिजोया की बहन के घर 20 अक्टूबर 1949 को चुपचाप शादी की। किस्सा-6 फ्रांस के राष्ट्रपति खुद सम्मान देने आए थे सत्यजीत रे को उनके सिनेमा में योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले। उन्होंने 36 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, भारत रत्न और 1992 में अकादमी मानद पुरस्कार (ऑस्कर) से सम्मानित किया गया। वे एकमात्र भारतीय फिल्मकार हैं जिन्हें विश्व के तीन प्रमुख फिल्म समारोहों कान्स, वेनिस और बर्लिन में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ। फ्रांस के प्रेसिडेंट रहे फ्रांस्वा मिटर्रैंड प्रोटोकॉल तोड़कर सत्यजीत रे को उनके देश का सबसे बड़ा सिविलियन सम्मान देने भारत आए थे। 2 फरवरी, 1989 को रे को फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान लीजन डि ऑनर दिया गया था।उस समय, फ्रांस के प्रेसिडेंट खुद कोलकाता आए और नेशनल लाइब्रेरी में हुए एक समारोह में उन्हें यह सम्मान दिया। यह एक बहुत खास मौका था, क्योंकि आमतौर पर ऐसे अवॉर्ड विदेश में दिए जाते हैं, लेकिन मिटरेंड ने यह सम्मान देने भारत आए थे।किस्सा-7 नेहरू पर डॉक्यूमेंट्री बनाने से इनकार किया.सत्यजीत रे ने नेहरू पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने से मना कर दिया था। दरअसल, इमरजेंसी का दौर था और तत्कालिन इंदिरा सरकार नेहरू के जीवन और सामाजिक कामों पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहती थी। सरकार ने यह जिम्मेदारी सत्यजीत रे को देने का फैसला किया क्योंकि वह देश के जाने-माने फिल्ममेकर्स में से एक थे, लेकिन रे ने साफ मना कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, तो उनका सीधा जवाब था, 'मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।' किस्सा-8 मृत्यु शैया पर दी ऑस्कर की स्पीच-सत्यजीत रे को साल 1992 में ऑस्कर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड देने की घोषणा हुई, लेकिन उस समय वे दिल की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती थे। ऐसे में एक अनोखा फैसला लिया गया। ऑस्कर की टीम खुद कोलकाता पहुंची और अस्पताल के बिस्तर पर ही उन्हें यह ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उनका स्वीकृति भाषण वहीं अस्पताल में रिकॉर्ड किया गया, जिसे 30 मार्च 1992 को ऑस्कर समारोह के दौरान पूरी दुनिया को दिखाया गया। महान अभिनेत्री ऑड्रे हेपबर्न ने उनके नाम की घोषणा की थी। इस सम्मान के करीब एक महीने बाद 23 अप्रैल 1992 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।